WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

फैन ने यामी गौतम से पूछा
ड्रग्स लेती हो क्या?

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 292 | लखनऊ, सोमवार, 12 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना प्रचार प्रसार अभियान में भयानक लूट

अभियान से जुड़े राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय पदाधिकारियों की संपत्ति की जांच की जाए और उनकी अवैध संपत्ति को जब्त कर उन्हें जेल भेजा जाए

महेंद्र कुमार यादव /विशेष संवाददाता लखनऊ। देश के 2014 में प्रधानमंत्री बनने के पश्चात नरेंद्र मोदी ने सबसे महत्वपूर्ण निर्णय जनहित में लेना शुरू कर दिया और भ्रष्टाचारियों पर लगाम लगाना शुरू कर दिया। आम जनमानस से जुड़ी तमाम योजनाओं की समीक्षा शुरू हो गई और उसमें तमाम खामियां मिलने पर केंद्र सरकार ने उसे बाहर का रास्ता दिखाना भी शुरू कर दिया इसी कड़ी में आम जनमानस से जुड़ी राशन प्रणाली की जांच करने पर पाया गया कि पूरे देश में पांच करोड नकली राशन कार्ड बनाए गए हैं।

जो फर्जी राशन टनों के हिसाब से उठा रहे थे केंद्र सरकार ने उसे निरस्त कर दिया इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व की सरकारों की अनदेखी को पकड़ते हुए लगभग 10 लाख नकली शिक्षक बर्खास्त किए गए जो फ्री का वेतन उठा रहे थे इसी तरह 50 लाख नकली छात्र भी मिले और तीन करोड़ एलपीजी के कनेक्शन भी फर्जी पाए गए जिन्हें निरस्त कर दिया गया जो मुफ्त की सब्सिडी उठा रहे थे इसका नतीजा यह रहा कि लोगों ने गैस सिलेंडरों पर सब्सिडी लेना बंद कर दिया और बिना सब्सिडी का गैस सिलेंडर खरीदने लगे जो लोग सक्षम थे हालांकि इस पर भारी कडाई की आवश्यकता है।

क्योंकि कमर्शियल उपयोग हेतु जो गैस सिलेंडर प्रयोग में लाए जाते हैं वो नीले रंग के होते हैं और इनका मूल्य भी घरेलू गैस सिलेंडर से अधिक होता है लेकिन हर जगह व्यवसायिक उपयोग में लाल गैस सिलेंडरों का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है और इसकी जांच करने वाला खाद्य एवं पूर्ति विभाग कान में तेल डाले बैठा है लखनऊ में ही अपर जिलाधिकारी आपूर्ति को इसकी जिम्मेदारी के लिए लगाया गया है लेकिन वह इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं इसी प्रकार गरीब मजदूरों को रोजगार देने हेतु मनरेगा कार्ड में भी भारी धांधली प्रकाश में आई और लगभग 2 करोड़ नकली मनरेगा कार्ड पकड़े गए इसी प्रकार लगभग 40 लाख मतदाता भी पकड़े गए जिन्हें निरस्त किया गया जो अभी तक फर्जी मतदान कर रहे थे।

और लगभग ढाई लाख फर्जी कंपनियां भी पकड़ी गई जो फर्जी तरीके से पंजीकृत थी तात्पर्य है कि तमाम फर्जी कार्यों पर सरकार का चाबुक चलने लगा लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी तमाम योजनाओं जो आम जनमानस से सीधे तौर पर जुड़े हुई थी जिनकी शुरुआत नरेंद्र मोदी ने ही की थी उन योजनाओं का सीधे-सीधे क्रियान्वयन हो जाए इसके लिए भारतीय जनता पार्टी से अलग एक गैर राजनीतिक संगठन प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना प्रचार प्रसार अभियान की शुरुआत की गई जिसका मूल काम यह था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का लाभ आम जनमानस को मिले और लाभान्वित हो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनहित में सीधे तौर पर वर्तमान में 228 योजनाएं लागू की गई है इनको पूरे देश के 718 जिलों में पूर्ण रूप से क्रियान्वित कराने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गठित गैर राजनीतिक संगठन प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना प्रचार प्रसार अभियान के ऊपर डाली गई।

और पूरे देश में इस संगठन ने राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पदाधिकारी भी नियुक्त किए गए और उनके सुपर विजन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक मार्गदर्शक मंडल भी बनाया गया लेकिन इस संगठन के पदाधिकारी सीधे तौर पर जिलों के अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को लागू करवाने के लिए कृत संकल्प थे।

और उनकी प्रगति हेतु निर्देशित करते थे लेकिन इसमें भारी भ्रष्टाचार शुरू हो गया और पदाधिकारियों ने अधिकारियों पर धौंस जमाकर भारी धन उगाही शुरू कर दी और खूब धन कमाया जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास का सपना अधूरा होने लगा लेकिन पदाधिकारियों ने भारी धन की लूट की और खूब मौज काटी इन पदाधिकारियों की आय से अधिक संपत्ति की जांच करा ली जाए तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा और जो पदाधिकारी इसमें लिप्त पाया जाए उसकी संपत्ति जप्त कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि कल तक जो पदाधिकारी एक सामान्य थे वह आज महंगी महंगी गाड़ियों के काफिले में चलते हैं प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी प्रचार प्रसार अभियान के नाम पर पूरे देश में भारी लूट की गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम बदनाम किया गया आम जनता विकास की योजनाओं से वंचित रह गई इन्हीं भ्रष्ट पदाधिकारियों के चलते ऐसा हुआ प्रधानमंत्री महोदय को चाहिए कि जितने भी पदाधिकारी इस दौरान पद पर थे उनकी संपत्ति की जांच कराई जाए और उनके द्वारा भ्रष्ट तरीके से अर्जित की गई संपत्ति जप्त किया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए तभी देश के ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ निष्ठावान यशस्वी प्रधानमंत्री का सपना साकार होगा और संगठन के पदाधिकारी भी इससे नसीहत मानते हुए किसी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं करेंगे।

जीएसटी चोरी कर अकूत संपत्ति का मालिक बना समोसा विक्रेता

■ नगर निगम के नगर आयुक्त को समोसा विक्रेता की अवैध गुमटी को हटाकर जनहित में ट्री गार्ड लगा देनी चाहिए

■ प्रधान आयकर महानिदेशक जाँच को समोसा विक्रेता की अवैध संपत्ति की जाँच कर टैक्स वसूलना चाहिए

महेंद्र कुमार यादव/ विशेष संवाददाता लखनऊ। हमारे देश में 1 जुलाई 2017 को वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी लागू किया गया और बहुत से उत्पादों व सेवाओं को कर के दायरे में लाने हेतु स्लैब के आधार पर जीएसटी का निर्धारण किया गया अर्थात विभिन्न वस्तुओं पर अलग-अलग दर पर टैक्स लगाया गया जिससे राज्यों को राजस्व की प्राप्ति होगी और राज्यों में पहले से चल रहे वाणिज्यकर का स्थान वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी ने ले लिया है और इससे देश में एक देश एक टैक्स प्रणाली लागू होने के पश्चात केंद्र सरकार ने व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से इस जीएसटी में लगभग लागू होने के पश्चात से 650 संशोधन किए और मासिक रिटर्न जमा करने के स्थान पर तिमाही रिटर्न जमा कराने की व्यवस्था कर दी गई इससे व्यापारियों को भारी राहत हुई। उत्तर प्रदेश सरकार के कुल राजस्व का 70 प्रतिशत हिस्सा जीएसटी से ही आता है और 30 प्रतिशत हिस्सा अन्य राजस्व से आता है लेकिन कुछ व्यवसाई ऐसे हैं जो भारी जीएसटी कर की चोरी कर रहे हैं और भारी संपत्ति के मालिक बने हुए हैं। इस ओर उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान लखनऊ के हजरतगंज के नवल किशोर रोड स्थित आजकल बंद चल रहे लीला पिक्चर हॉल के सामने स्थित सात मंजिला जीवन बीमा निगम के आगे स्थित नगर निगम की दया पर अवैध रूप से गुमटी में चल रहे सहगल समोसे के नाम से प्रसिद्ध समोसा, ब्रेड पकोड़ा, चाय, बंद मक्खन, सोन पापड़ी, मिठाई, कोल्ड ड्रिंक तथा पानी को बेचकर भारी जीएसटी कर की चोरी करने वाले सहगल समोसे के नाम से प्रसिद्ध संजय सहगल,अशोक सहगल की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं जो सिर्फ समोसा व अन्य ऊपर लिखित उत्पादों को बेचकर लाखों के टैक्स की चोरी कर रहे हैं और सरकार को भारी चूना लगा रहे हैं सरकार द्वारा यह प्रावधान है कि पूरे वर्ष में 40 लाख टर्नोवर के नीचे बिक्री पर कोई टैक्स का प्रावधान नहीं है सिर्फ आयकर ही लागू होगा जो उसकी आय पर निर्भर करेगा संजय सहगल जो नेशनल इंश्योरेंस की हजरतगंज स्थित मंडल कार्यालय में विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और इसी समोसे और नाश्ते के बल पर 12:00 बजे के पहले कभी भी ऑफिस में उपस्थिति दर्ज नहीं कराते हैं क्योंकि जो भी मंडल प्रबंधक होता है उसका व अन्य अधिकारियों पर उनका हाथ रहता है समोसा विक्रेता संजय सहगल जो नेशनल इंश्योरेंस में विकास अधिकारी हैं बीच-बीच में ऑफिस छोड़कर ड्यूटी के दौरान समोसे की बिक्री का हिसाब किताब लेते रहते हैं और उनकी गैरमौजूदगी में उन का छोटा भाई अशोक सहगल जो समोसा बनवाने से लेकर सारा प्रबंध करता है वह उसको देखता है।

समोसे व अन्य उत्पादों को खरीदने हेतु उमड़ी भीड़

डूडा ऑफिस हजरतगंज के सामने स्थित सहगल समोसे का कारखाना

लवनेन हजरजगंज के नुक्कड़ पद बन्द पड़ी सहगल समोसे वाले की दुकान

वैसे समोसे की दुकान का संचालन उनके छोटे भाई अशोक सहगल करते हैं जो भी उनके साथ बराबर के हिस्सेदार है । सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि वर्तमान में सहगल समोसे के यहां 22 कर्मचारी कार्य करते हैं। जिनमें काफी संख्या में 14 वर्ष से कम उम्र के लड़कों की संख्या काफी सर्वाधिक है जो बाल श्रम का सीधा उल्लंघन है। लखनऊ के जिलाधिकारी को इस पर संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। लीला टाकीज के सामने लोहे की गुमटी में अवैध रूप से नगर निगम की मिलीभगत से आधा रोड घेरकर धड़ल्ले से समोसे की बिक्री की जा रही है बताया जाता है कि एक समोसा 10 रुपये प्रति के हिसाब से बेचा जाता है वह सुबह 8:00 बजे से रात्रि के 10:00 बजे तक नॉनस्टॉप बेचा जाता है इस प्रकार एक बार में ढाई सौ समोसा निकलता है और दिन भर में लगभग 25 से 30 बार बनाकर बेंचा जाता है । जो करीब 6 हजार समोसा होता है ऐसा उनके यहाँ काम करने वाले स्टाफ बताता है । इसके अतिरिक्त सुबह 8:00 बजे से लेकर रात 10:00 बजे तक 10 रुपये प्रति दर से सुबह से लेकर रात्रि तक चाय की बिक्री निर्बाध रूप से जारी रहती है जैसा कि उनके स्टाफ बताते है कि 5 से 7 हजार कप चाय की बिक्री रोजाना होती है जबकि आज से कुछ वर्ष पूर्व जीएसटी चोरी से अर्जित किए गए और अन्य टेक्स्ट से अर्जित किए गए रकम से लवलेन के मार्केट के नुक्कड़ पर समोसा विक्रेता द्वारा 22 लाख की दुकान खरीदी गई थी जो वर्तमान में बंद रहती है। और कारखाना 17 लाख में खरीदे गए गैरेज जो कि डूडा कार्यालय के सामने स्थित है। उसमें चलाया जाता है वहां पर कोई स्वास्थ्य विभाग के मापदंडों का पालन नहीं किया जाता है। समोसा विक्रेता मूल रूप से शाहजहांपुर जनपद का रहने वाला है और लखनऊ में न्यू हैदराबाद कॉलोनी में अपना भूखंड व मकान खरीद कर रहता है। उसका पता उसके स्कूटी वाहन संख्या यूपी 32HT 4786 से लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त समोसे विक्रेता ने जीएसटी की चोरी करके कई भूखंड भी शहर में खरीद रखा है तथा रोजाना साहू इन्वेस्टमेंट सिंडिकेट बैंक में अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम से पांच से 10000 रुपये रोजाना जमा कराए जाते हैं जिसकी जांच करा ली जाए तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा इसके अतिरिक्त रोजाना धड़ल्ले से लाल गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है। जबकि नीले वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग होना चाहिए लेकिन जिला मजिस्ट्रेट आपूर्ति की जिम्मेदारी है वह कान में तेल डाले बैठे हैं। और कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। सूत्रों के अनुसार सहगल समोसा वाली की रोजाना की बिक्री समोसा, डबल रोटी से निर्मित पकौड़ा, बन्द मखन, चाय, सोनपापडी, मिठाई, पेक पानी इन सब बिक्री से रोजाना 4 लाख रुपये की आय होती हैं। जीएसटी अधिकारियों को समोसा विक्रेता के पिछले 10 वर्षों के खातों की ग्राहनता से पड़ताल करनी चाहिए।

जिसमें भारी टैक्स की चोरी उजाकर होगी। यह चर्चा का विषय है और सरकार को भारी चूना लगा रहे हैं प्रधान आयकर महानिदेशक जाँच को भी इस संबंध में समोसा विक्रेता के खिलाफ उनके आयकर रिटर्न से मिलान कर जांच करनी चाहिए कि इतने कम समय में इतनी अकूत संपदा का वह मालिक कैसे बन बैठा बताया जाता है कि समोसा विक्रेता टनों चीपसोना आलू कोल्ड स्टोरेज में प्रतिवर्ष भरवा देता है और उसका उपयोग करता रहता है । समोसा विक्रेता का होल सेल मसालों का व्यापार भी है जो उसके घर से चलता है और उसके ऊपर सीएसटी की भारी चोरी कर वसूले गएँ कर की वसूली की जानी चाहिए तथा नगर निगम को भी उसकी सड़क पर चल रहे अवैध दुकान को हटाकर वहां पर ट्री गार्ड लगा देना चाहिए जिससे आम जनमानस को काफी राहत मिलेगी उस रोड पर बच्चों की काफी कोचिंग भी हैं उनकी आवाजाही काफी बनी रहती है इस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे विक्रेता के ऊपर भारी टैक्स की चोरी की जांच कराकर भारी टैक्स की वसूली करनी चाहिए।

पुलवामा में चार आतंकवादी मारे गये, एक गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलवामा में मुठभेड़ के दौरान हाल ही में आतंकवादी समूल में शामिल होने वाले एक आतंकवादी को पकड़ने और दो अलग-अलग अभियानों के दौरान जैश ए- मोहम्मद के शीर्ष कमांडर सहित चार आतंकवादियों को मारे जाने का दावा किया है। एक पुलिस ने अधिकारी ने रविवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार शाम पुलवामा में मुठभेड़ के दौरान हाल ही में आतंकवादी समूह में शामिल हुए एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया जबकि जैश के शीर्ष कमांड जाहिर नजीर भट ऊर्फ जाहिर टाइगर सहित दो आतंवादियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राइफल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा प्रदेश पुलिस के विशेष अभियान समूह पुलवामा के दादूरा में घेराबंदी तथा तलाश अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए जबकि हाल ही आतंकवादी समूह में शामिल हुए एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में कुलगाम जिले के चिनगाम में मुठभेड़ के दौरान एक विदेशी सहित दो आतंकवादी मारे गये।

हाथरस केसःआज हाईकोर्ट में सुनवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस केस को शनिवार को सीबीआई ने टेकओवर कर लिया। इस बीच, सीबीआई ने रविवार को मुख्य आरोपी संदीप के खिलाफ धारा 307, 376 डी, 302, एससी/एसटी ऐक्ट की धारा 3 केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच लखनऊ यूनिट की गाजियाबाद की टीम करेगी। सीबीआई ने पुलिस से सभी दस्तावेज मांगे हैं। 3 अक्टूबर को सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी और डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने हाथरस में पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। इसके बाद सीबीआई जांच की सिफारिश की गई थी। कल इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में इस केस की सुनवाई होनी है। हाईकोर्ट ने खुद नोटिस लेकर केस में यूपी के शीर्ष अफसरों समेत हाथरस के डीएम और एसपी को तलब किया है। पीड़ित परिवार को भी बुलाया गया है। 5 सदस्यों को लखनऊ जाना है, लेकिन रविवार दोपहर तक उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। ऐसे में परिवार ने रात में लखनऊ जाने से इनकार कर दिया। पीड़ित के भाई ने कहा कि रात में हमारे साथ कुछ भी हो सकता है। हमें प्रशासन पर भरोसा नहीं है। अब परिवार कल सुबह लखनऊ रवाना होगा। हाईकोर्ट में सरकार की तरफ से विनोद शाही पैरवी करेंगे। परिवार के हर सदस्य और गवाहों की सुरक्षा के लिए 2-2 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। परिवार की महिला सदस्यों के लिए महिला सुरक्षाकर्मी की तैनाती की गई है। परिवार की मुलाकात भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराए जाने की चर्चा है, लेकिन अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। हाथरस में 14 सितंबर को 4 लोगों ने 19 साल की लड़की के साथ गैंगरेप किया था। आरोपियों ने लड़की की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी और उसकी जीभ भी काट दी थी। दिल्ली में इलाज के दौरान 29 सितंबर को पीड़ित की मौत हो गई। चारों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

देश में साढ़े 60 लाख से अधिक कोरोना संक्रमित हुये स्वस्थ

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित 89,154 लोग स्वस्थ हुये हैं जिसके साथ ही देश में इस महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर साढ़े 60 लाख के पार पहुंच गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी किए आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 89,154 लोग स्वस्थ हुए हैं और इन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी है। इसके बाद देश में इस प्राणघातक कोरोना वायरस से निजात पाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 60,77,976 हो गयी है। इस अवधि में 74,383 और लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद देश में संक्रमितों का आंकड़ा 70,53,807 हो गया है। देश में पिछले रविवार से सक्रिय मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों में 918 मरीजों की मौत होने के बाद देश में इस महामारी से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़कर 1,08,334 हो गया है। वर्तमान में देश में कोरोना के सक्रिय मामले 8,67,496 हैं। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों का प्रतिशत 12.30, रोगमुक्त होने वालों का प्रतिशत 86.17 है और मृत्यु दर 1.54 प्रतिशत है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 15,332 से कम होकर 2,21,615 हो गये हैं और इस दौरान 308 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 40,040 हो गयी है। इस दौरान 26,440 लोग संक्रमणमुक्त भी हुये हैं जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 12,55,779 हो गयी है। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2,078 की बढ़ोतरी हुई जिसके बाद सक्रिय मामले बढ़कर 1,20,948 हो गए हैं।

यूपी में 40,019 कोरोना के एक्टिव मामले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण के केसों में 24 दिनों से लगातार कमी आ रही है। पिछले 24 दिनों में 28,000 से ज्यादा एक्टिव केस कम हुए हैं। प्रदेश में कोविड-19 टेस्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,72,726 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,18,98,777 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 3,348 नये मामले आये हैं। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 3,417 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। अब तक कुल 3,90,566 लोग पूर्णतया उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 89.37 प्रतिशत है। प्रदेश में 40,019 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। होम आइसोलेशन में 18,167 लोग, निजी चिकित्सालय में 3,250 लोग हैं। श्री प्रसाद ने बताया कि ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से पिछले 24 घन्टे में 2,525 लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया है। अब तक कुल 1,32,811 लोगों ने चिकित्सीय परामर्श प्राप्त किया है। प्रदेश में सर्विलांस टीम दिवस के माध्यम से 1,37,149 क्षेत्रों में 4,13,046 टीम दिवस के माध्यम से 2,67,70,953 घरों के 13,22,42,005 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि कल 05-05 के 3182 पूल लगाये गये जिनमें 268 में पॉजीटिविटी पायी गयी, जबकि 10-10 के 882 पूल लगाये गये जिनमें 36 में पॉजीटिविटी पायी गयी। उन्होंने बताया कि आने वाले पर्वोंध्योहारों पर कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि संक्रमण से स्वयं बचें तथा दूसरों को बचाने का प्रयत्न करें। संक्रमण से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का विशेष ध्यान रखें। श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कुल संक्रमण में 68 प्रतिशत पुरूष तथा 32 प्रतिशत महिलाएं संक्रमित हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 से संक्रमित 0-20 वर्ष तक 13.77 प्रतिशत, 21-40 वर्ष तक 47.69 प्रतिशत, 41-60 वर्ष तक 29.04 प्रतिशत तथा 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों में 9.49 प्रतिशत है। हाथ को बार-बार 40 सेकण्ड से अधिक तक साबुन-पानी से धोएं, मुंह और नाक को ढककर रखें, सार्वजनिक स्थानों पर दो गज की दूरी बनाकर रहें।

टूटी सड़कें, अव्यवस्थित सीवर व नाली जानकीपुरम विस्तार की कहानी

क्षेत्रीय नागरिकों में रोष, सड़क पर उतरने की दी चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। शहर की जानकीपुरम विस्तार क्षेत्र महीनों से बदहाल अवस्था में है, जगह-जगह सड़के टूटी हुयी है, अव्यवस्थित सीवर और नालियां बीमारियों को आमंत्रित कर रही है। वहीं दूसरी ओर भारी वाहनों के आवागमन ने क्षेत्र में मुश्किलें पैदा कर रखी हैं। इन तमाम समस्याओं को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को शिकायतें की जा चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर निरन्तर हो रही अनदेखी के चलते क्षेत्रीय जनता आक्रोशित है और जल्द ही क्षेत्र की सभी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो वह नवरात्रि के बाद सड़कों पर उतरने के लिये मजबूर होगी। वहीं यहां चल रहे जनविकास महासभा, उत्तर प्रदेश के जनविकास सहयोग केन्द्र की प्रभारी दिव्या शुक्ला ने बताया कि बरसों से जानकीपुरम विस्तार की हालत दयनीय है ना पानी निकलने की पर्याप्त व्यवस्था है और ना ही सीवर की सही कनेक्टिविटी और सड़कों की हालत बहुत ही खराब है जगह जगह टूटी सड़कें दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही हैं उस पर चल रहे भारी वाहन लोगों की जान पर आफ्त बने हुए हैं इस संदर्भ में जनविकास महासभा द्वारा कई बार आवाज उठाई गई परंतु संबंधित अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द काम हो जाने के आश्वासन के अलावा क्षेत्र की जनता को कुछ भी अभी तक प्राप्त नहीं हो सका है। अतः अब क्षेत्र की जनता का सब्र का बांध टूट रहा है इस बाबत जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि यदि जल्द से जल्द क्षेत्र की टूटी सड़कें अनियमित सीवर और नालियों का सही निर्माण ना हुआ एवं भारी वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित ना किया गया तो क्षेत्र की जनता संबंधित विभागों के खिलाफ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएगी।

लोगों से मिलना कांग्रेस की नाटकबाजी राजस्थान की घटना पर खामोश क्यों

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान में हो रही घटनाओं पर आज सवाल उठाया और कहा कि उत्तर प्रदेश की घटनाओं पर लोगों से मिलना और घटनास्थल पर जाना नाटकबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने आज दो ट्वीट किए और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गाधी का नाम लिए बिना कहा कि उत्तर प्रदेश में इनका लोगों से मिलना मात्र वोट के लिए है। जनता को ऐसे नाटकबाज नेताओं से सावधान रहना चाहिये। इन नेताओं को राजस्थान में हो रहे अपराध दिखाई नहीं देते। कांग्रेस के नेता उत्तर प्रदेश में सिर्फ राजनीति के लिए आते हैं ,इनकी पीड़ितों से कोई सहानुभूति नहीं होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी नेता अपनी सरकार पर शिकंजा कसने के बजाय खामोश हैं। उत्तर प्रदेश की तरह राजस्थान में भी कांग्रेस शासन में जंगल राज है। वहां हर प्रकार के अपराध, उसमें दलित तथा महिलाओं का उत्पीड़न ,निर्दोष की हत्या हो रही है।

लोकतंत्र के महानायक जेपी और भारत रत्न देशमुख की जयंती पर योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र के महानायक जयप्रकाश नारायण और जनसंघ के संस्थापक सदस्य नानाजी देशमुख की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। योगी ने रविवार को ट्वीट किया कि, ''भारतीय लोकतंत्र के महानायक, आपातकाल के अंधकार में जनतंत्र की मशाल प्रज्ज्वलित करने वाले, सम्पूर्ण क्रांति के उद्घोषक, मर्यादा एवं शुचिता के अप्रतिम प्रतिमान, लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन। समृद्ध लोकतंत्र के निर्माण हेतु आपका संघर्ष अविस्मरणीय है। एक अन्य ट्वीट में मुख्यमंत्री ने भारत रत्न नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा '' ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की संकल्पना के शिल्पकार, आधुनिक भारत के युगद्रष्टा, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, कुशल संगठनकर्ता, जनसंघ के संस्थापक सदस्य, भारत रत्न श्रद्धेय नानाजी देशमुख जी का पूरा जीवन ग्राम स्वराज की स्थापना हेतु समर्पित था।

अमिताभ ठाकुर को आरोपपत्र निर्गत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन ने आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर के खिलाफपांचवीं विभागीय कार्यवाही में आरोपपत्र निर्गत कर दिया है, जिसमे उन पर तीन आरोप लगाये गए हैं, आरोपपत्र के अनुसार अमिताभ द्वारा 16 नवम्बर 1993 को आईपीएस की सेवा प्रारंभ करते समय अपनी संपत्ति का ब्यौरा शासन को नहीं दिया गया. साथ ही उन्होंने 1993 से 1999 तक का वर्षवार संपत्ति विवरण शासन को एकमुश्त दिया, आरोपपत्र के अनुसार अमिताभ ठाकुर द्वारा वर्षवार दिए गए वार्षिक संपत्ति विवरण में काफी भिन्नताएं हैं. साथ ही उनके द्वारा अपनी पत्नी व बच्चों के नाम से काफी संख्या में चल एवं अचल संपत्तियां, बैंक व पीपीएफजमा, ऋण व उपहार प्राप्त हुए थे, किन्तु उन्होंने इसकी सूचना शासन को नहीं दी गयी, इन कार्यों को अखिल भारतीय आचरण नियमावली 1968 के नियम 16(1) तथा 16(2) का उल्लंघन बताते हुए अमिताभ को 15 दिन में इनके संबंध में अपना जवाब देने को कहा गया है। अमिताभ की पत्नी डॉ नूतन ठाकुर के अनुसार इन सभी बिन्दुओं पर पूर्व में एक अन्य विभागीय जाँच हो चुकी है, जिसमे अमिताभ को निर्दोष पाया गया. इसमें बाद भी मात्र परेशान करने के उद्देश्य से दुबारा उन्ही आरोपों की जाँच शुरू की गयी है।

योगी और बीजेपी के डीएनए में नफरत के सिवा कुछ नहीं: सुनील सिंह साजन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विपक्ष के डीएनए संबंधी बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता एवं विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह साजन ने कहा कि विपक्ष पर लांछन लगाने वाले मुख्यमंत्री समेत पूरी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के डीएनए में नफरत के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। साजन ने रविवार को एक वीडियो जारी कर कहा'' योगी का बयान कि विपक्ष के डीएनए में विभाजन है शर्मसार करने वाला है। योगी जी डीएनए टेस्ट करा कर देखिए आपके डीएनए में नफरत के इलावा कुछ भी नहीं मिलेगा। पूरी भारतीय जनता पार्टी के डीएनए में ही नफरत भरा हुआ है। उन्होंने कहा '' मुझे नहीं पता कि आप अपने वैचारिक आकाओं के बारे में कितना जानते हैं कि नहीं, उनका इतिहास आपको पता है। आपके वैचारिक आका आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के मददगार थे।

युवाओं ने रक्तदान किया

लखनऊ, संवाददाता। लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 118वीं जयंती पर आज सिविल अस्पताल में युवा नेता दीपक रंजन के नेतृत्व में 60 युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में प्रमुख थे अभय मुलायम, दीपू श्रीवास्तव, गोपाल सेठी, अनुराग श्रीवास्तव, कान्हा श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, शैलेन्द्र सिंह, अनुपम श्रीवास्तव, अमित कुमार, मोहित निगम आदि। आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरविन्द कुमार सिंह एवं राजेश यादव (एमएलसीगण) इंदल रावत और गोमती यादव (विधायकगण) जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष, सुशील दीक्षित महानगर अध्यक्ष, विजय सिंह, रामसागर, राहुल सिंह, प्रदीप शर्मा, सौरभ यादव, शब्बीर खान, प्रेमलता यादव, मीना यादव, आरती सिंह, अनुपम यादव, माधुर्य सिंह, मधुप सिंह यादव, अंकुर पाण्डेय आदि ने भी लोकनायक जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हाथरस केस में आज लखनऊ खंडपीठ में पेश होंगे अधिकारी और पीड़िता का परिवार

लखनऊ, संवाददाता। हाथरस में दलित समुदाय की 19 वर्षीय एक युवती के कथित सामूहिक बलात्कार और उसकी मौत के मामले में पीड़िता के परिजन सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष पेश होंगे। अदालत ने हाथरस के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक समेत उच्चाधिकारियों को भी उसके समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिये हैं। अदालत ने एक अक्टूबर को हाथरस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था), जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को सोमवार को तलब किया है। खंडपीठ ने अधिकारियों को मामले से संबंधित दस्तावेज लेकर आने को कहा है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश दिया था। हाथरस के पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि परिजनों को अदालत में पेश करने के मामले में जिला न्यायाधीश को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जायसवाल ने बताया कि युवती के परिवार की सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम किया गया है। परिवार की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस उप महानिरीक्षक शलभ माथुर संभाल रहे हैं। गौरतलब है कि हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में गत 14 सितंबर को एक दलित युवती से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार और मारपीट की गई थी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुई लड़की की बाद में दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

योगी ने कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग व सर्विलांस सिस्टम को निरन्तर जारी रखने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए कॉन्टैक्ट टेऊसिंग व सर्विलांस सिस्टम को पूरी सक्रियता के साथ निरन्तर जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर पूर्ण क्षमता के साथ संचालित रहें। इनकी मॉनीटरिंग जिलाधिकारी व सी0एम0ओ0 द्वारा की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के सम्बन्ध में 'जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं' के संदेश को समझते हुए निरन्तर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रतिदिन 100 से अधिक की संख्या में सक्रिय केसेज वाले जनपदों में स्थानीय स्तर पर रणनीति बनाकर नियंत्रण की कार्यवाही की जाए। पब्लिक एडेऊस सिस्टम के माध्यम से कोविड से बचाव व सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। धान क्रय केन्द्रों पर कोविड-19 प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन हर हाल में सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय स्वच्छता व सैनिटाइजेशन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो 16 अक्टूबर, 2020 तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी शहरी व ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता व सैनिटाइजेशन सम्बन्धी कार्य किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि अभियान के दौरान साफ-सफाई, एन्टी लार्वा रसायनों व चूने आदि के छिड़काव का कार्य हो। उन्होंने इस अभियान के तहत सभी कार्यों की मॉनीटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर, 2020 को वर्ल्ड हैण्ड वॉश डे के अवसर पर विशेष अभियान चलाते हुए कार्यक्रम संचालित किए जाएं।

धोनी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर रहे हैं, उनकी आलोचना करने वालों की सोच पर तरस आता है: किरमानी

लखनऊ, संवाददाता। महेंद्र सिंह धोनी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लचर प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं का सामाना करना पड़ रहा है लेकिन पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी ने इन्हें गैरजरूरी बताते हुए कहा है कि उन्हें आलोचकों की सोच पर तरस आता है। किरमानी ने रविवार को कहा कि, ''यह दौर हर खिलाड़ी के करियर में आना जरूरी है। ऊंचाई पर पहुंचने का भी एक वक्त होता है, उसी तरह नीचे उतरने का भी एक समय होता है। वक्त के साथ हर चीज बदलती है, जो लोग आज धोनी की आलोचना कर रहे हैं मुझे उनकी सोच पर तरस आता है। इस सवाल पर कि क्या धोनी अब मैच विजेता और फिनिशर नहीं रहे, किरमानी ने कहा कि अब उन्हें धोनी से उस तरह की क्रिकेट की उम्मीद नहीं करनी चाहिए जो आज से 10-15 साल पहले की जाती थी। उन्होंने कहा, '' हमें प्रकृति का नियम हर हाल में मानना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि धोनी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर रहे हैं और क्योंकि वह बहुत लंबे समय के बाद मैदान पर उतरे हैं इसलिए भी उनका प्रदर्शन गिर रहा है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर ने कहा, ''धोनी सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं है बल्कि उनके कंधे पर और भी कई जिम्मेदारियां हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह अब अपने भविष्य के बारे में भी सोच रहे होंगे। जैसे-जैसे अन्य जिम्मेदारियां बढ़ती जाती है वैसे-वैसे खिलाड़ी के प्रदर्शन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में इस दफा आईपीएल संयुक्त अरब अमीरात की बेहद गर्म स्थितियों में खेला जा रहा है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर इसका भी बुरा असर पड़ रहा है क्योंकि खिलाड़ी इस गर्मी में खेलने के आदी नहीं हैं।

इस बार आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर किरमानी ने कहा, ''क्रिकेटर अनिश्चितताओं का खेल है। यही कारण है कि रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर में विराट कोहली के अगुवाई में शानदार बल्लेबाजी क्रम होने के बावजूद यह टीम अभी तक आईपीएल का एक भी खिताब नहीं जीत सकी है, लिहाजा यह कहना सही नहीं होगा कि किसी टीम में कोई कमी या खामी है। किरमानी ने कहा कि उम्र के साथ इंसान की हर गतिविधि में फर्क आता है। यह नियम क्रिकेट खिलाड़ियों पर भी लागू होता है। इस उम्र में वह चुस्ती-फुर्ती नहीं रह पाती जो युवावस्था में होती है। इसके अलावा इस उम्र में खिलाड़ी भविष्य की अन्य चिंताओं से भी घिर जाता है। इसका असर भी उसके खेल पर पड़ता है। यह एक कुदरती बात है। गौरतलब है कि चेन्नई सुपरकिंग्स को तीन बार आईपीएल ट्रॉफी दिलवाने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के इस बार आईपीएल में खराब प्रदर्शन को लेकर खासी चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना भी हो रही है। धोनी सात मैचों की छह पारियों में सिर्फ 112 रन बना सके हैं जिनमें एक भी अर्धशतक शामिल नहीं है। चेन्नई अपने शुरुआती सात में से पांच मुकाबले हार चुकी है और अब टूर्नामेंट में उसकी राह बहुत मुश्किल हो गई है।

जेपी ने देखा था भ्रष्टाचारमुक्त भारत का सपना, उसे सगुण रूप दे रहे हैं मोदी और योगी: यशवन्त सिंह

लखनऊ, संवाददाता। लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद सदस्य और भारतीय जनता पार्टी के नेता यशवन्त सिंह ने कहा है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखा था, जो जातिवादी ताकतों की वजह से 1977-78 में बिखर गया, उसे इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमन्त्री योगी श्री आदित्यनाथ सगुण रूप दे रहे हैं। उन्होंने लोकतन्त्र सेनानियों और जेपी के समर्थकों से अपील की है कि वे भ्रष्टाचार मुक्त भारत के अभियान में मोदी और योगी का साथ दें। रविवार को चन्द्रशेखर चबूतरे पर आयोजित जेपी जयन्ती समारोह में विधानपरिषद सदस्य यशवन्त सिंह ने कहा कि जेपी 1942 में स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक थे, जेपी 1977 में तानाशाही को पराजित करने वाले संग्राम के महानायक थे, जेपी समाजसुधारक, थे, जेपी राष्ट्रनायक थे, जेपी सदैव देश और समाज को कुछ न कुछ देते रहे। लेना शब्द जेपी के जीवन के शब्दकोष में था ही नहीं। उन्होंने नई पीढ़ी से कहा कि वह जेपी के जीवन से प्रेरणा ले और देश तथा समाज को सदैव देश को कुछ देने की सोचे।

इस अवसर पर लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संयोजक धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, लोकनायक जयप्रकाश नारायण ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अनिल त्रिपाठी, सामाजिक सेनानी सर्वश्री सुभाष राजभर, दीनानाथ गुप्ता उर्फ दीना भाई, सुजीत कुमार बारी उर्फ कुक्कू, पण्डित घनश्याम शर्मा, शमशेर यादव एडवोकेट, प्रकाश मोदी, संजय गुप्ता, अमित प्रजापति, प्रभात सिंह, अतुल चौबे, चंचल चौबे, विजय उपाध्याय, संजय सिंह, पप्पू पाल, धर्मपाल चौहान और हरिकेश कनोजिया आदि ने भी जेपी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

भूमाफिया मुकेश और ऊषा श्रीवास्तव के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। वरिष्ठ पत्रकार हरीराम त्रिपाठी के आवासीय प्लाट पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे भूमाफि या मुकेश शुक्ला और ऊषा श्रीवास्तव के खिलाफ इन्दिरा नगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। इन्दिरा नगर थाना की तकरोही पुलिस चौकी के अंतर्गत बुद्ध विहार कालोनी अमरई गांव में पत्रकार त्रिपाठी का दो हजार वर्ग फुट का एक प्लाट है। इसे उन्होंने मार्च 2004 में अपने छोटे पुत्र शेखर के नाम खरीदा था। इसमें बाउंड्री बनाकर एक कमरा बनाया था तथा उनका कब्जा बरकरार है। 2004 से अब तक कभी कोई विवाद नहीं हुआ था। पिछले दो-तीन महीनों से एक दलाल इस प्लाट को अपना बताकर बेचने का प्रयास कर रहा था। जानकारी मिलने पर श्री त्रिपाठी ने दीवार पर अपना नाम व मोबाइल नंबर लिखवा दिया। 27 अगस्त को इन्दिरा नगर के थानाध्यक्ष को जालसाजी व धोखाधड़ी की सम्भावना व्यक्त करते हुए प्रार्थनापत्र भी दिया था। पुलिस सक्रिय हुई तो बाराबंकी का मूल निवासी मुकेश कुमार शुक्ला नाम का भूमाफिया सामने आया और खुद को वकील बताया। वह एक महिला डॉ ऊषा श्रीवास्तव के नाम की रजिस्ट्री का हवाला देकर कहने लगा उसने प्लाट खरीद लिया है। उसने यह भी दावा किया कि वह 16 वर्षों से काबिज है। उसने अपनी आयु 30 साल बताया। पुलिस ने कहा 16 साल पहले वह मात्र 14 साल का नाबालिग था तो बात बनाने लगा। उसने कहा ऊषा श्रीवास्तव उसकी मुअक्किल हैं, कभी कहता उसने अग्रीमेंट कराया है तो कभी कहता रजिस्ट्री करवा लिया है। फि र मुखह्तार आम होने का दावा करने लगा। अन्त में कहने लगा कि वह ऊषा श्रीवास्तव का वारिस है। लेकिन कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। उसकी सिफारिश में मनोज कुमार शुक्ला नाम का एक छुटभैया नेता भी आया था। अंततः 12 सितम्बर को इन्दिरा नगर पुलिस ने मुकेश कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 107-116 की कार्यवाही कर दिया।

10 अक्टूबर-20 को भूमाफिया मुकेश शुक्ला, मनोज शुक्ला, संतोष चतुर्वेदी, ए एन मिश्र एक महिला व चार अन्य व्यक्ति आये और कब्जा करने की नीयत से गेट को तोडने की कोशिश किया जिसकी सूचना प्लाट के मालिक त्रिपाठी ने पुलीस को दी। मोहल्ले के लोगों के एकत्र होने और पुलिस के पहुँचने से पहले उपरोक्त लोग भाग गए। उन लोगों के विरुद्ध पुलिस ने थाना इन्दिरा नगर में एफ आईआर संख्या 0377 दिनांक 10-10-2020 धारा 147, 504, 506,507 और 427 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

उपभोक्ता परिषद का आरोप उपभोक्ताओं की जेबों पर डाका डाल रहे स्मार्ट मीटर

लखनऊ, संवाददाता। उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की जेबों पर डाका डाल रहे हैं। इसलिए जितने भी प्रकार के मीटर यूपी में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगे हैं, इसकी केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण से जांच कराई जाए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पहले कैपिटल मीटर जंपिंग से जनता त्रस्त हुई, फिर उसे पश्चिमांचल बिजली कंपनी ने ब्लैकलिस्ट किया। इसके बाद स्मार्ट मीटर जंपिंग की जांच में बड़ी खामियां सामने आई और अब बेहद चौंकाने वाला सौभाग्य योजना में लगाए गए मीटर जंपिंग कर रहे हैं। इस योजना में लगाए गए मीटर एक-एक दिन में हजारों यूनिट रीडिंग जम्प कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला औरैया में सामने आया है। वहां शिकायत पर पांच मीटर उतरवाकर मंगवाए गए, जिसमें हर माह हजारों यूनिट जम्प करने वाले मीटर थे। एक मीटर जो घरेलु उपभोक्ता के यहां 26 अगस्त 2020 को लगा और 1 सितंबर को हंगामा मचने पर उतरा गया। पांच दिन में इस मीटर में 59919 यूनिट जम्प कर गया। उन्होंने कहा है कि बिजली कंपनियों को इसे गंभीरता से लेना होगा। इस प्रकार से पूरे प्रदेश में उपभोक्ताओं के कैंप में स्मार्ट मीटर तेज चलने की शिकायत आम हो रही है। उसका निस्तारण ससमय न किया गया तो स्थित बहुत गंभीर होने वाली है। सबसे बड़ा चौकाने वाला मामला यह है की मीटर निर्माता कंपनी हो या स्मार्ट मीटर निर्माता कंपनी हो उसमें जब भी कोई मसला उठता है तो पावर कार्पोरेशन के उच्चाधिकारी और अभियंता उसके बचाव में उतर आते हैं। इसलिए इस मामले की जांच केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के योग्य अभियंताओ से कराई जाए।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से स्वामित्व योजना का शुभारम्भ किया

योजना के अन्तर्गत 06 राज्यों के 763 गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड का वितरण किया

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वर्चुअल माध्यम से स्वामित्व योजना का शुभारम्भ किया। इस योजना के अन्तर्गत 06 राज्यों के 763 गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए। इनके अलावा, केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत तथा अन्य राज्यों के मंत्रिगण वर्चुअल माध्यम से जुडे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) का डिजिटल वितरण किया। प्रॉपर्टी कार्ड के वितरण कार्य का शुभारम्भ किए जाने के साथ ही, उत्तर प्रदेश के 37 जनपदों के 346 ग्रामों के 41,431 ग्रामीण आवासीय अभिलेखों की हार्ड कॉपी का ग्रामों में वितरण जनप्रतिनिधियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी के 02 लाभार्थियों, रामरती तथा श्री राममिलन से संवाद किया। उन्होंने लाभार्थियों से स्वामित्व योजना के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। लाभार्थियों ने बताया कि स्वामित्व का अधिकार मिलने से उन्हें अपनी प्रॉपर्टी पर सुरक्षा की गारण्टी मिलेगी तथा लोन प्राप्त हो सकेगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना ने गरीबों के हाथ में ताकत सौंपी है। यह योजना हमारे गांवों में ऐतिहासिक परिवर्तन लाएगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पत्ति सम्बन्धी विवादों में काफी कमी आएगी। ग्रामवासियों को आबादी क्षेत्र में स्थित सम्पत्तियों (भवन, प्लॉट आदि) के प्रमाणित दस्तावेज प्राप्त होंगे, जिनका उपयोग बैंकों से लोन आदि प्राप्त किए जाने में किया जा सकेगा। आबादी क्षेत्र का प्रारम्भिक डाटा तैयार होने से विकास हेतु सरकारी योजनाएं संचालित किए जाने में सुगमता होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है। आज ही के दिन भारत रत्न लोक नायक श्री जय प्रकाश नारायण और भारत रत्न श्री नाना जी देशमुख की जयन्ती भी है। इन महापुरुषों ने आजीवन भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। इनके संघर्ष और आदर्श भी एक समान रहे हैं। गांव और गरीब की आवाज को बुलन्द करना जय प्रकाश नारायण जी और नाना जी देशमुख के जीवन का साझा संकल्प रहा है। उन्होंने कहा कि नाना जी कहा करते थे कि यदि गांवों में लोग विवाद में फंसे रहेंगे तो न तो अपना विकास कर पाएंगे और न ही समाज का। स्वामित्व योजना गांवों में विवादों को समाप्त करने का बहुत बड़ा माध्यम भी है। प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत 01 लाख लोगों को अपने घरों का स्वामित्व पत्र या प्रॉपर्टी कार्ड मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि जब सम्पत्ति का रिकॉर्ड होता है और उस पर अधिकार होता है, तो नागरिकों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

सपा ने सादगी से मनाई जयप्रकाश नारायण की 118वीं जयंती

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 118वीं जयंती समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के जिला मुख्यालयों पर श्री जयप्रकाश जी के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ राजनीति में उनके योगदान पर चर्चा की गई। राजधानी लखनऊ में जेपी इंटरनेशनल सेंटर में स्थापित जयप्रकाश जी की प्रतिमा पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने माल्यार्पण किया। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भी श्री जयप्रकाश जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने बयान में देश के नवनिर्माण के लिए सम्पूर्ण क्रांति की अलख जगाने वाले स्वतंत्रता सेनानी एवं भारतीय राजनीति के युग पुरूष लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर शत-शत नमन किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में मजबूत नहीं मजबूर सरकार है। हर मोर्चे पर यह विफल है। समाजवादी सरकार के समय हुए विकासकार्यों से भाजपा चिढ़ी हुई है। अन्यथा लोकनायक जेपी अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र की उपेक्षा से क्या संकेत मिलता है? प्रदेश के भव्य स्थलों में से एक यह केन्द्र भाजपा सरकार की आंखो में खटक रहा है इसीलिए उसको बर्बाद किया जा रहा है। रख रखाव के अभाव में परिसर में झाड़ झंखाड़ उग आया है। पत्थर टूटने लगे हैं। संग्रहालय बंद पड़ा है। समाजवादी सरकार के समय जो थोड़ा काम रह गया था उसके लिए भाजपा सरकार बजट नहीं दे रही है। इससे जाहिर है कि भाजपा सरकार और इसके नेतृत्व की मानसिकता कितनी निम्न स्तरीय हैं वह प्रदेश को विकास के नहीं, विनाश के रास्ते पर ले जाना चाहती है। श्री यादव ने कहा कि चूंकि भाजपा नेतृत्व का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान था।

तीन सौ साल पुराने प्राचीन शिव मन्दिर की दीवारे अब काफी जर्जर हो चली

रुद्र प्रताप सिंह। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत ससपन मजरा अटेर में स्थित लगभग तीन सौ वर्ष पुराना प्राचीन मन्दिर जो की गरीब नाथ बाबा के नाम से प्रसिद्ध है जो कि हिंदू शासनकाल में राजा द्वारा बनवाया गया था वहां के स्थानीय लोगों में इस मंदिर समछ काफी आस्था जुड़ी हुई है भगवान भोलेनाथ का मंदिर जो कि गांव के बाहर बना है जिसमे काफी समय से पूजा अर्चना व मंदिर का रखरखाव न होने कारण मंदिर सुना पड़ा है उसमें रखी भगवान की प्रतिमाएं यह दर्शाती है कि वहां पर काफी दिनों से पूजा अर्चना नहीं की गई और मंदिर की दीवारें जर्जर पड़ी हुई है उन दीवारों पर काफी समय से मरम्मत व रंगाई पुताई ना होने के कारण उनकी सूरत बदहाल है जिससे बरसात के मौसम में भी अक्सर पानी टपकता रहता है और उसमें लगे लोहे के कपाट में काफी जंग भी लग गयी है जिसकी समय पर पेंट न होने के कारण यह हाल है मंदिर के चारों तरफ घास फुस

भारी मात्रा में जमा है और मंदिर जाने वाला मुख्य मार्ग में काफी गंदगी होने के कारण लोगों को आवागमन करना बहुत ही मुश्किल है चारों तरफ खरपतवार बहुत ज्यादा है जिसमें जंगली जानवर व सांप बिच्छू का भी डर रहता है जिससे लोग भगवान भोलेनाथ के दर्शन पाने में भी बहुत घबराते हैं जिसमें जगह जगह पर दूषित जल भराव व जगह जगह पर कीचड़ युक्त गड्ढे व एकत्र पढ़े हुए कूड़े के ढेर लगे हुए हैं इस पर कभी किसी क्षेत्र वासियों ने भी ध्यान नही दिया नाही किसी ट्रस्ट व मठाधीश और किसी भी संगठन ने इसको संज्ञान में नहीं लिया या बहुत निराशाजनक है लोग इसकी आड़ में सब अपनी अपनी राजनीतिक रोटियां सेकते रहते हैं लेकिन किसी ने भी इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया वहां के लोगों का कहना है कि काफी समय पहले इस मंदिर में श्रद्धालुओं की लगती थी लम्बी लम्बी कतारें लोग अपने रीति रिवाजो से मन्दिर में पूजा अर्चना करते थे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण की लापरवाही से जुड़ा मामला

- आवासीय ज़मीन पर मानक दरकिनार, बिना स्वीकृति के बनाया जा रहा अवैध बहुमंजिला शोरूम
- महानगर स्थित छन्नीलाल चौराहा के पास बनकर तैयार हो रहा मारुती शोरूम

लखनऊ संवाददाता

लखनऊ। रिहाइशी मकान को तोड़कर अवैध रूप से निर्माण करते हुए बड़ी इमारतें बनाई जा रही है। बिना मानचित्र स्वीकृत के इन अवैध रूप से बन रही इमारतों के खिलाफ ख़ासतौर पर कोई रोक टोक ही नही है। एलडीए के क्षेत्र में खुलेआम धड़ल्ले से मानक दरकिनार कर आवासीय भूखंडों को अवैध रूप से व्यावसायिक बनाया जा रहा है। जिनकों ज़िम्मेदारी और सक्रियता से अवैध निर्माण पर सीलिंग की कार्रवाई करनी चाहिए वही क्षेत्र के ज़िम्मेदार आंखें मूंदकर बैठे हुए है। महानगर के छमी लाल चौराहा स्थित आवासीय भूखंड को बगैर स्वीकृति के व्यावसायिक बनाने का खेल जोरों पर है। रिहाइशी ज़मीन पर विशालकाय बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक आवासीय भूखंड पर अनाधिकृत तौर पर बगैर स्वीकृति के मिलीभगत से तैयार हो रही इस बिल्डिंग में मारुती शोरूम खोला जायेगा। अनियोजित ढंग से तैयार हो रही इस बिल्डिंग के खिलाफ एलडीए की ओर से अभी तक कोई ठोस क़दम नही उठाया गया।

सकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतें

सकरी और तंग गलियों में अवैध रूप से बहुमंजिला इमारतें बनी है जो एक न एक दिन बड़े हादसें को न्यौता दे सकती है। बावजूद ज़िम्मेदारों का कोई सक्रिय रुख अबतक देखने को नही मिला है। इतना ही नही बेधड़क तरीके से आवासीय क्षेत्र में खड़ीं व्यावसायिक इमारतें पर मज़बूत कार्रवाई की दिशा अबतक तय नही हुई।

पार्किंग की जगह तक नही

शहर में बनी अवैध कमर्शियल इमारतों में एलडीए के सभी मानकों को दरकिनार किया गया है। बावजूद लखनऊ विकास प्राधिकरण इसकी सुध लेने को तैयार नही है। मुनाफ़े के लोभ में बिल्डरों ने कई घन मीटर धरती का सीना छलनी करते हुए टुडियागंज में अवैध रूप से बेसमेंट बना दिया है। रातो-रात मानक के विपरीत बिल्डिंग का स्वरूप तैयार हो गया। क्षेत्र के ज़िम्मेदरों को भनक तक नही लगी। बहरहाल इस अवैध बिल्डिंग में अब व्यावसायिक गतिविधि चरम पर है। ख़ास बात यह है कि इस बिल्डिंग में पार्किंग तक की जगह नही छोड़ी गई। मानक को दरकिनार करने का यह कोई पहला मामला नही है। दर्जनों बिल्डिंग अवैध रूप से भदेवां में बनकर तैयार है। जो खतरे की ओर इशारा करते हुए एक न एक दिन आमजन मानस को भारी पड़ सकता है। अनियोजित ढंग से बनी इन इमारतों में फायर फाइटिंग तक की व्यवस्था नही है।

इन क्षेत्रों में अवैध निर्माण की भरमार

पुराने लखनऊ के ठाकुरगंज, माली खाँ सराय, चौक, रकाबगंज, पहियागंज, नक्खास, अशर्फाबाद, टुडियागंज, बाज़ार खाला, बिल्लोचपुरा, भदेवां, हैदरगंज, ऐशबाग, टिकैतराय तालाब, राजाजीपुरम

पुलिस अधीक्षक द्वारा सैनिक सम्मेलन/कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण के सम्बन्ध में की गयी गोष्ठी

मकबूल अहमद। पुलिस कार्यालय के सभागार कक्ष में पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार मौर्य द्वारा सैनिक सम्मेलन/अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान सामाजिक दूरा का विशेष ध्यान रखा गया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न थानों एवं प्रकोष्ठो से आए हुए पुलिस कर्मियों से उनका परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी की एवं निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किए। तत्पश्चात जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु अपराध समीक्षा की जिसमें सर्वप्रथम अवैध कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम हेतु रात्रि गस्त व क्षेत्र भ्रमण करने, लंबित जनशिकायत एवं आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। बैंक व लेनदेन वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों का फोटो लेने तथा प्रतिदिन बैंक ड्यूटी में जाने वाले कर्मचारियों को ड्यूटी के सम्बन्ध में ब्रीफ करने एवं सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान दृश्यता, गतिशीलता,

सजगता एवं सतर्कता बनाये रखने हेतु विशेष जोर दिए। साम्प्रदायिक भावना भड़काने वालों/असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने व छोटी से छोटी बातों का संज्ञान लेने, सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के साथ साथ डिजिटल वालेंटियर ग्रुप को अपडेट कर उनके साथ नियमित मीटिंग कर उनका सहयोग लेने का निर्देश दिया गया। लंबित विवेचनाओं विशेषकर अनावरित अभियोगो के निस्तारण, वांछित अभियुक्तों, इनामिया, जिलाबदर, एनबीडब्ल्यू के विरूद्ध अभियान चलाकर गिरफ्तारी करने व शातिर अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा, गैंगेस्टर आदि की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने व अतिक्रमण हटवाने के सम्बन्ध में समस्त थाना प्रभारी सहित यातायात प्रभारी को निर्देशित किया गया। बालिकाओं एवं महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही करने, एंटी रोमियो टीम द्वारा अभियान को निरंतर जारी रखने, वाहन चेकिंग के दौरान आम जनता से अच्छा बर्ताव करने हेतु निर्देशित किया साथ ही साथ आम जनमानस में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने हेतु पैदल गश्त को और अधिक प्रभावी बनाए जाने पर जोर दिया। आगामी त्यौहार के दृष्टिगत कस्बा/क्षेत्र/ग्रामों में भ्रमण कर सतर्क दृष्टि रखें तथा सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ बैठक कर समस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त कर निराकरण करें साथ ही शासन द्वारा बनाये गये नियमों के सम्बन्ध में लोगो को जागरुक करें। भूमि विवाद से सम्बन्धित प्रकरणों में प्राप्त प्रार्थना-पत्रों में राजस्व टीम के साथ समन्वय स्थापित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर निस्तारण करायें। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि आप सभी लोग जब भी क्षेत्र में क्षेत्र में निकले तो कोविड-19 से सुरक्षा एवं बचाव के दृष्टिगत लोगा से नियमो का कड़ाई से पालन करायें तथा मास्क, सेनिटाइजर, सोशल डिस्टेंस का पालन करने हेतु जागरुक करें, साथ ही साथ होटल/मंदिर/मस्जिद/मदरसा आदि का औचक निरीक्षण/जांच करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, साथ ही यह भी बताया गया कि आमजनमानस के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न किया जाय। कोविड-19 से सुरक्षा एवं बचाव के दृष्टिगत सभी अधिकारी/कर्मचारी मास्क, सेनिटाइजर तथा सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए सतर्क रह कर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक श्री बी0सी0 दूबे, क्षेत्राधिकारी नगर श्री हौसिला प्रसाद, क्षेत्राधिकारी इकौना श्री महेंद्र पाल शर्मा, प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक श्री विनोद कुमार सिंह, जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/शाखा प्रभारी, पेशकार पुलिस अधीक्षक व सैनिक सम्मेलन में आए हुए पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार वाहन ने मारी बाइक को टक्कर चालक की हालत गंभीर

रूद्र प्रताप सिंह मलिहाबाद। लखनऊ भतोइया में निकट पुलिस चौकी के पास मनकौटी मोड़ के सामने हरदोई लखनऊ राजमार्ग पर हरदोई की तरफ से आ रही तेज रफ्तार में चार पहिया वाहन सियाज ने दो पहिया वाहन को मारी टक्कर जिसमें चालक की हालत काफी नाजुक जिसके हाथ और पैर में चोट आयी है तत्काल ग्रामीण व पुलिस की मदद से उपचार हेतु निकट अस्पताल में भर्ती कराया गया दोपहिया गाड़ी न। UP32 GH 2874 है दोपहिया चालक का नाम संजय उम्र 35 वर्ष है पिता का नाम रामरूप जो कि ग्राम पंचायत मनकौटी दिलावर नगर थाना क्षेत्र मलिहाबाद का रहने वाला है कुछ दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी जोकि भतोइया बाजार से सब्जी लेकर घर वापस लौट रहा था तभी अचानक हरदोई की तरफ से तेज रफ्तार आ रही चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर जिसका नंबर UP32 JK 3884 चार पहिया वाहन का नाम सियाज है जोकि नीले कलर की है जिसको थाना मलिहाबाद के अंतर्गत भतोइया चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक चंद्रवीर सिंह व कांस्टेबल मोहम्मद वसीम के साथ गाड़ी का पीछ कर कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को पकड़ कर कब्जे में लिया इसी मोड़ पर आए दिन होती रहती है इसी तरह की घटनाएं जोकि ग्रामीणों कहना है कि यहां पर पुलिस बैरियल की सुविधा होनी चाहिए जिससे भविष्य में होने वाले हादसों को रोक जा सके मलिहाबाद पुलिस के इस सराहनीय कदम को देखकर स्थानीय लोगों ने की प्रशंसा।

दुगौली संकुल मे मिशन प्रेरणा की समीक्षा करते राज्य संदर्भदाता

मीरजापुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय दुगौली मे शुक्रवार को संकुल स्तर पर मिशन प्रेरणा की समीक्षा की गई। शिक्षण संबंधी तैयारियों पर विचार - विमर्श किया गया।

बेसिक शिक्षा परिषद के राज्य संदर्भदाता दिनेश चंद्र शुक्ल ने प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा तालिका व प्रेरणा सूची को सभी कक्षों मे अविलंब चस्पा करने का निर्देश दिया। ई - पाठशाला फेज टू के तहत राज्य स्तर से प्राप्त कंटेंट नियमित रूप से बच्चों के अभिभावकों के व्हाटसप ग्रुप मे भेजने की हिदायत दी। शिक्षक आधारशिला ध्यानाकर्षण एवं शिक्षक संग्रह माड्यूल का अध्ययन करने की सलाह दी। विद्यालय खुलने के पूर्व समस्त तैयारियां पूरी करने पर जोर दिया। साथ ही दूरदर्शन डी डी यू पी पर सुबह नौ बजे से एक बजे दिन तक कक्षावार संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। ए आर पी शांति प्रकाश महीप शुक्ला अखिलेश दूबे संजय गणेश ओझा नागेंद्र शुक्ल राकेश विवेक कमल कुमार आदि रहे।

गोड़सर सरपती गांव मे कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते सपा जिलाध्यक्ष

मिर्जापुर। क्षेत्र के गोड़सर सरपती गांव मे शुक्रवार को संपन्न हुए कार्यकर्ता सम्मेलन मे सपा नेताओं ने शिक्षक - स्नातक चुनाव मे पार्टी प्रत्यासी की जीत को लेकर रणनीति तैयार की। कार्यकर्ताओं को उत्साहित किया कि प्रदेश मे एक बार फिर पार्टी का परचम लहराएगा। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे बदलाव के लिए लोगों के बीच जाएं।

आरोप लगाया कि मौजूदा हालात मे कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। विकास की गाड़ी पटरी से उतर गई है। कार्यकर्ताओं को उत्साहित किया कि आने वाला कल हमारा है। शिक्षक स्नातक चुनाव मे घोषित सपा प्रत्यासी आशुतोष सिनहा ने कहा कि कार्यकर्ता कसौटी पर खरे उतरे तो जीत सुनिश्चित है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 18 वर्षों से इस

सीट पर एक ही। दल का कब्जा है। बगैर किसी का नाम है लिए उन्होंने कहा कि परिवर्तन की लहर चल रही है। सपा नेता एवं पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री गुलाब चंद उर्फ मुन्नी यादव पूर्व जिला उपाध्यक्ष आशीष यादव ने पार्टी प्रत्यासी के पक्ष मे दिन रात एक करने का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष एवं आयोजक गिरधारी पाल ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने बूथ अध्यक्षों एवं सेक्टर प्रभारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। आनंद त्रिपाठी बिजय बाबू मिश्रा रबि शंकर यादव रमेश बिंद केशराज यादव सुशील सिंह शिब्बू पांडेय अवधेश कुमार जनार्दन दूबे राजेश पाल जैनेन्द्र सिंह आदि रहे।

श्री दारागंज रामलीला कमेटी के तत्वाधान में ऐतिहासिक मुकुट पूजन समारोह

प्रयागराज। दिनांक 12.10 .20 को श्रीदारागंज रामलीला कमेटी के तत्वाधान में ऐतिहासिक मुकुट पूजन बक्सी खुर्द स्थित ऐतिहासिक सिंगार भवन में, सायंकाल 6ः30 बजे होगा ।कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव व महामंत्री जितेंद्र गौड़ ने सभी से आग्रह किया कि कार्यक्रम में भीड़ नहीं होनी है अतः इस वर्ष सभी लोग आयोजन में प्रतिभाग ना करें। कमेटी के मीडिया प्रभारी तीर्थराज पांडेय (बच्चा भइया) ने बताया कि ,कमेटी के पुरोहित, पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी व कमेटी के पुजारी संजय पाठक के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोचार कर, मुकुट पूजा समारोह में पात्र ,उनके अस्त्र-शस्त्र व मुकुट की विधिवत पारंपरिक पूजा होगी। उसके पश्चात बैंड बाजे से धार्मिक धुन बजाई जाएगी और इस वर्ष के दशहरे की औपचारिक शुरुआत होगी।

हरिश्याम मानव कल्याण शिक्षा एवं शोध संस्थान अम्बेडकर विहार प्रयागराज की ओर से दिव्य कुंभ भव्य कुंभ-2019 के छायाचित्रों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी

प्रयागराज। सोमवार को पूर्वाहन 11 बजे से शाम पांच बजे तक लगेगी। समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी छायाचित्र वरिष्ठ फोटोग्राफर जितेन्द्र प्रकाश के है। प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डीएम भानुचन्द्र गोस्वामी करेगे जबकि अध्यक्षता आर्यकन्या पीजी कालेज के चेयरमैन शासीनिकाय पंकज जायसवाल करेगे। विशिष्ट अतिथि किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरि (टीना मा), डीआईओएस आरएन विश्वकर्मा एवं बीएसए संजय कुशवाहा है। 13 अक्टूबर को मुख्य अतिथि आईजी जोन केपी सिह है जबकि अध्यक्षता क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी की महासचिव ज्ञानमाता डा राधासत्यम है। विशिष्ट अतिथि सचिव पीएनपी अनिल भूषण चतुर्वेदी, ब्रिगेडियर संदीप भण्डारी, अपर सचिव क्षेत्रीय कार्यालय यूपी बोर्ड एसपी द्विवेदी है। समापन 14 अक्टूबर को कमिश्नर आर रमेश कुमार करेगे जबकि अध्यक्षता पूर्व कमिश्नर आरएस वर्मा करेगे। विशिष्ट अतिथि यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ला,अपर आयुक्त आबकारी दिव्य प्रकाश गिरि, ओम नमः शिवाय के शांतनु जी, एक्टर-फैशन डिजायनर एवं वर्ल्ड वाइड फोटोग्राफर मनु पुरवार है। समिति के सचिव राजीव मिश्रा ने बताया कि इस अवसर पर अलग -अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिये लोगो को सम्मानित किया जायेगा। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये एमपीवीएम की प्रधानाचार्या सुष्मिता कानूनगो, एपीएस की प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा, गंगागुरूकुलम की अल्पना डे, सेण्ट डीबी इण्टरमीडिएट कालेज की प्रधानाचार्या श्रीमती सबरीना कुटीनो, ज्वाला देवी के युगल किशोर मिश्रा, रानी रेवती देवी के बांके बिहारी पाण्डेय, माधव ज्ञानेन्द्र के प्रदीप त्रिपाठी, जीजीआईसी गोहरी के प्रधानाचार्य डा रविभूषण, रसूलाबाद प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या डा रूबी ओझा पाण्डेय, वरिष्ठ शिक्षक संजय श्रीवास्तव एवं विश्वनाथ मिश्रा, जीजीआईसी बिहार की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती रंजीता गुप्ता, चन्द्र शेखर इण्टरमीडिएट कालेज पूरबनारा की शिक्षिका वंदना सिंह, शिक्षिका सौम्या मालवीय, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टर जया खरे तथा आर्किटेक्ट विशाल खरे सम्मानित होंगे । उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिये जेवनिया की महिला ग्राम प्रधान श्रीमती रूचि अभिषेक तिवारी, गायन के लिये श्रीमती कंचन मीणा और सीडीए पेंशन के मनोज कुमार सिंह मन्नू गहमरी को सम्मानित किया जायेगा। समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि लाखों कर्मचारी के हितों को लेकर संघर्ष करने वाले वरिष्ठ कर्मचारी नेता अजय भारती, नर सिंह, मनोज पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, डा शैलेश कुमार पाण्डेय, अटेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा हरिप्रकाश यादव, राजेन्द्र पालीवाल, विनोद पाण्डेय , प्रदीप सिंह और डा ज्ञानप्रकाश सिंह है। अतिथियो का स्वागत पूर्व सूबेदार श्याम सुंदर सिंह पटेल, हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक तिवारी और पंकज दीक्षित करेगे।

थाना शाहगंज ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

प्रयागराज। थाना शाहगंज पुलिस द्वारा मु.अ.सं.0260/2020 से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों 1. मो0 नदीम पुत्र मो0 सलीम निवासी75/82 कोल्हन टोला थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज 2. इजहार अहमद पुत्र मो0 इदरीस निवासी 61/57दोंदीपुर थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया।

प्रयागराज सेवा समिति के तत्वाधान में अमिताभ बच्चन का 78 वां जन्मदिवस मनाया गया

प्रयागराज। सदी के महानायक प्रयाग पुत्र अमिताभ बच्चन के 78 वे जन्मदिवस पर प्रयागराज सेवा समिति ने दो सत्रों में आयोजन किया। प्रथम सत्र में विश्व प्रसिद्ध लेटे हुए हनुमान जी पर महिला मोर्चा की अध्यक्ष अनुपम पांडेय के नेतृत्व में महिला मोर्चा की सदस्यों ने 78 दीप जलाए ।उसके पूर्व आचार्य ,सूरज पांडे, पुजारी दीपक मिश्रा, पुजारी अंकित द्विवेदी ,पुजारी गोपाल, पुजारी विकास मिश्रा के नेतृत्व में हनुमान जी का पूजन अर्चन अनुष्ठान कर उनके लंबे दीर्घायु अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई। आये हुए लोगों का मुंह मीठा

कराया गया। अन्तराष्ट्रीय कलाकार स्वच्छता बांड एम्बेस्डर राजेन्द्र कुमार तिवारी उर्फ दुकानजी ने अर्पण संस्था नैनी द्वारा दिए गये 300 मास्क लोगों को वितरण किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात संगम विश्व धरोहर महाअभियान के संयोजक, तीर्थराज पांडेय (बच्चा भइया) ने कहा की ,अमिताभ बच्चन प्रयागराज की आन, बान ,शान है। और वैश्विक दुनिया में प्रयागराज इलाहाबाद की पहचान है। हम सब संस्था के सदस्य गण अमिताभ से आग्रह करेंगे की, वह संगम विश्व धरोहर महा अभियान को जन जन तक पहुंचाने में साथ दें। कार्यक्रम के संयोजक, सांस्कृतिक मंत्री विष्णु दयाल श्रीवास्तव ने महानायक अमिताभ बच्चन को भारत रत्न मिले इसकी मांग की, और अमिताभ की प्रिय कविता मधुशाला के प्रमुख मुक्तक का पाठ किया एवं सायंकाल द्वितीय सत्र में, विष्णु दयाल के नेतृत्व में मां गंगा की आराधना व पूजन अर्चन किया, और कहा कि मां गंगा का अमित पर शुरू से आशीर्वाद रहा इसीलिए छोरा गंगा किनारे वाले के रूप में वह दुनिया में प्रसिद्ध हुए। उक्त कार्यक्रम प्रयागराज सेवा समिति के अध्यक्ष पंडित धर्मराज पांडेय, तीर्थराज पाण्डेय (बच्चा भइया) दुकानजी, राकेश श्रीवास्तव, सर्वेश त्रिपाठी ,रवि राज पांडे ,प्रभु राज, सुनीता अवस्थी, कल्पना शर्मा ,पूनम तिवारी ,दुर्गेश ,नंदिनी पांडे, आदि दोनों सत्र में उपस्थित रहे।

अनियंत्रित मिनी ट्रक डिवाइडर से टकराया, बाल-बाल बचे

मेजा, प्रयागराज। क्षेत्र के मिर्जापुर-झांसी राष्ट्रीय राज्य मार्ग उरुवा के समीप एक मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार के हताहत की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक जनपद कौशांबी से केला लादकर मिनी ट्रक घोरावल जा रहा था। जिसमें ड्राइवर के साथ तीन अन्य सहयोगी व्यक्ति सवार थे। 3ः00 बजे भोर के आस-पास उरुवा चौराहा के समीप पहुंचते ही अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। ट्रक डिवाइडर को तोड़ते हुए बीच रोड पर पलट गई। इस दुर्घटना में ड्राइवर छोटेलाल निवासी कौशांबी तीन अन्य सवार क्रमशः विकास मौर्य धूरकर, मिर्जापुर तथा दो सगे भाई सिंकु व रिंकू निवासी शुकूवारा, कौशांबी को मामूली चोटें आई। वहीं दुर्घटना की आवाज सुन पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच घायलों को पास के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उपरोक्त घायल वहां से चले गए।

दूश्मन देश को चुनौती भारत के मिसाइल परीक्षण

रक्षा के मोर्चे पर हमारे देश के बढ़ते कदम सुखद ही नहीं, बल्कि देश और देशवासियों के लिए गौरवान्वित करने वाला सिलसिला भी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। भारत निर्मित एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम का परीक्षण पूरी तरह से सफल होना यह साबित करता है कि भारत की वायु सेना पहले की तुलना में और अधिक शक्तिशाली होने जा रही है। युद्धक विमान तो मात्र वाहन की तरह हैं, फर्क इस बात से पड़ता है कि युद्धक विमानों को हमने किन आधुनिक हथियारों से लैस कर रखा है। जैसे रुद्रम का परीक्षण सुखोई-30 एयरक्राफ्ट के जरिए किया गया है। रुद्रम विमानों में तैनात की जाने वाली ऐसी पहली भारतीय मिसाइल है, जो किसी भी ऊंचाई से दागी जा सकती है। यह मिसाइल किसी भी तरह के सिग्नल और रेडिएशन को न केवल पकड़ सकती है, बल्कि उसे नष्ट भी कर सकती है। युद्ध की तैयारियों में जुटे अनेक देश ऐसे हथियारों को विकसित करने में लगे रहते हैं, ताकि युद्ध के शुरुआती चरण में ही दुश्मन के सिग्नल और रडार को नष्ट किया जा सके। दुनिया में आज जितने भी आक्रामक देश हैं, सभी ने अपनी-अपनी सीमाओं पर रडार और निगरानी तंत्र को मजबूत कर रखा है। ऐसे में भारत के पास पहले से मौजूदअग्नि-1,अग्नि-2,अग्नि-3,अग्नि-4, अग्नि-5, अग्नि-6,सूर्या, के-15 सागारिका,शौर्य,प्रहार,ब्रह्मोस-1,ब्रह्मोस 2,भारतीय हाइपर सोनिक मिसाइल,निर्भय,धनुष, नाग मिसाइल,अमोघा-1,आकाश, त्रिशूल,बराक8,पृथ्वी एयर डिफेंस,एडवांस एयर डिफेंस, अस्त्र,डीआरडीओ एंटी रेडिएशन मिसाइल के बाद रुद्रम का विकास अनिवार्य हो गया था। ध्वनि की गति से भी दोगुनी रफ्तार के साथ यह मिसाइल प्रहार संभव है। भारत के लगभग एक माह के समय में 9 और दूसरे माह की शुरूआत में दसवे मिसाइल परीक्षण से दुश्मन देशों का चौकना वाजिब है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) अगले हफ्ते की शुरुआत में 800 किलोमीटर रेंज की निर्भय सब-सोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सेना और नौसेना में शामिल करने की औपचारिक शुरुआत से पहले रॉकेट बूस्टर मिसाइल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पिछले 35 दिनों में भारत के प्रमुख रक्षा अनुसंधान संगठन द्वारा यह दसवीं मिसाइल परीक्षण होगी। निश्चित तौर से जिस तरह से देश में मिसाइल परीक्षण का दौर चला उससे दूश्मन देशों को भारत की मारक क्षमता के विस्तार का आभास हो चुका है। ज्ञात हो कि एक रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा क्षेत्र पर सर्वाधिक खर्च करने वाला भारत विश्व का तीसरा देश बन गया है। स्कॉटहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में अमेरिका और चीन के बाद भारत रक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों की सूची में तीसरे स्थान पर है। स्कॉटहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। यह पहली बार है जब भारत और चीन सैन्य क्षमता में इजाफे पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले शीर्ष तीन देशों में शामिल हुए हैं। भारत के रक्षा खर्च में पिछले साल के मुकाबले 6.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। स्कॉटहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र पर सबसे ज्यादा 732 बिलियन डॉलर, इसके बाद चीन 261 बिलियन डॉलर और भारत 71.1 बिलियन डॉलर खर्च किया है। रक्षा क्षेत्र में ज्यादा खर्च करने वाली देशों की सूची में रूस चौथे और सउदी अरब पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान इस सूची में 24वें स्थान पर है। यह पहली बार है कि पहले तीन देशों में दो एशियाई देशों के नाम है।हालांकि भारत के पास ब्रह्मोस जैसी उन्नत सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल पहले से ही है, जिसके दूसरे संस्करण का भी बीते दिनों परीक्षण हो चुका है। क्रूज मिसाइल की खासियत है कि यह कम ऊंचाई पर तेजी से उड़ान भर सकती है और रडार से बच सकती है। भारत के पास जो ब्रह्मोस है, उसकी विशेषता यह है कि उसे जमीन से, हवा से, पनडुब्बी से, युद्धपोत से यानी कहीं से भी दागा जा सकता है। यही नहीं इस मिसाइल को पारंपरिक प्रक्षेपक के अलावा ऊर्ध्वगामी यानी कि वर्टिकल प्रक्षेपक से भी दागा जा सकता है। क्रूज मिसाइलों का टारगेट या तो पहले से तय रहता है या फिर वे खुद लोकेट करती हैं। ये मिसाइलें सबसोनिक, सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक स्पीड से चल सकती हैं।यह मिसाइल एक हजार किलोमीटर दूरी तक मार करने में सक्षम है। यह बिना भटके अपने निशाने पर अचूक वार करती है। यह दो चरणों वाली मिसाइल है। पहली बार में लंबवत और दूसरे चरण में क्षैतिज। यह पहले पारंपरिक रॉकेट की तरह सीधा आकाश में जाती है और फिर दूसरे चरण में क्षैतिज उड़ान भरने के लिए 90 डिग्री का मोड़ लेती है। इस तरह यह अपने लक्ष्य को निशाना बनाती है।निर्भय मिसाइल को डीआरडीओ ने पूर्णतया अपने दम पर बनाया है। इस मिसाइल में धीमी गति से आगे बढ़ने, बेहतरीन नियंत्रण एवं दिशा-निर्देशन, सटीक परिणाम देने तथा राडारों से बच निकलने की क्षमता है। यह सुपर सोनिक क्रूज मिसाइल एडवांस्ड सिस्टम लैबोरेटरी (एएसएल) द्वारा विकसित की गई है। यह मिसाइल ठोस रॉकेट मोटर बूस्टर से सुसज्जित है। इसमें टबरे-फैन इंजन लगा है जो इसे आगे बढ़ाता है।भारत ने इसी महीने पांच अक्तूबर को ओडिशा अपतटीय क्षेत्र स्थित एक परीक्षण केंद्र से देश में विकसित 'सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो' (स्मार्ट) प्रणाली का सफल प्रायोगिक परीक्षण किया। 'स्मार्ट' प्रणाली पनडुब्बी विध्वंसक अभियानों के लिए हल्के वजन की टॉरपीडो प्रणाली है। भारत ने शुक्रवार (नौ अक्तूबर) को भारतीय वायु सेना के एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से नई पीढ़ी की एक विकिरण रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण किया जो लंबी दूरी से विविध प्रकार के शत्रु रडारों, वायु रक्षा प्रणालियों और संचार नेटवर्कों को ध्वस्त कर सकती है।मिसाइल रुद्रम-1, भारत की पहली स्वदेश निर्मित विकिरण रोधी शस्त्र प्रणाली है।अधिकारियों के अनुसार मैक टू या ध्वनि की गति से दोगुनी रफ्तार वाली मिसाइल में 250 किलोमीटर तक के दायरे में विविध प्रकार की शत्रु रडार प्रणालियों, संचार नेटवर्कों और वायु रक्षा प्रणालियों को मार गिराने की क्षमता है।भारत के रक्षा वैज्ञानिकों को इस कामयाबी का इंतजार था। बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट से दूर, परीक्षण रेंज बालासोर में सुबह लगभग 10.30 बजे इसका परीक्षण सफल होते ही वैज्ञानिकों में खुशी की लहर का दौड़ना वाजिब है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए हमारे वैज्ञानिक बधाई के हकदार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उचित ही उनकी पीठ थपथपाई है। अब हम दुश्मन के वायु रक्षा ढांचे को बर्बाद करने में सक्षम होने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। इससे भारतीय वायु सेना के युद्धक विमानों को प्रभावी ढंग से अपने मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस मिसाइल का उपयोग 500 मीटर से 15 किलोमीटर तक की ऊंचाई से किया जा सकता है और 250 किलोमीटर की सीमा के भीतर विकिरण उत्सर्जन लक्ष्य को निशाना बनाया जा सकता है। हवा से जमीन तक वार करने में कारगर यह एंटी रेडिएशन मिसाइल कई प्रकार के विकिरण पकड़ने की क्षमता रखती है। खास बात यह कि प्रक्षेपण से पहले भी इसका लक्ष्य तय हो सकता है।

सम्पादकीय

आर्थिकी का आशावाद

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद घोषित मौद्रिक नीति में कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया गया। केंद्रीय बैंक का कहना है कि कोरोना संकट के चलते प्रभावित आर्थिकी में सकारात्मक बदलाव देखने में आ रहा है। केंद्रीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का मानना है कि अर्थव्यवस्था निर्णायक दौर में पहुंच रही है। अतरू आरबीआई आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिये उदार नीति अपनाये रखेगा। यही वजह है कि अब अंकुश लगाने के बजाय अर्थव्यवस्था को उबारने पर जोर दिया जायेगा, जिसके चलते मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने पर बल दिया है। आरबीआई गवर्नर ने विश्वास जताया है कि वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में आर्थिकी में आया सुधार, दूसरी छमाही में मजबूती हासिल करेगा। साथ ही तीसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। लेकिन त्योहारी सीजन में ग्राहक जिस ईएमआई में कटौती की उम्मीद लगा रहे थे, वह रेपो रेट में बदलाव न होने के कारण पूरी नहीं हो पायी। दरअसल, एमपीसी की 25वीं बैठक के बाद भी रेपो रेट चार फीसदी बरकरार रखा गया है। वहीं रिवर्स रेट भी 3.35 ही रहेगा। केंद्रीय बैंक विश्वास जता रहा है कि चौथी तिमाही में जीडीपी में संकुचन खत्म होगा और सकारात्मक वृद्धि दर्ज की जायेगी। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में आये भारी संकुचन के बाद अब केंद्रीय बैंक का ध्यान अर्थव्यवस्था के रिवाइवल पर है। विश्वास जताया जा रहा है कि वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में देश कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक वृद्धि के आंकड़े को हासिल कर लेगा। साथ ही जीडीपी फिर से वृद्धि के रास्ते पर आ सकती है। केंद्रीय बैंक ने भरोसा जताया कि चौथी तिमाही तक मुद्रास्फीति तय लक्ष्य की परिधि में आने की उम्मीद है। बैंक का भरोसा है कि कोरोना संकट से उपजे संकुचन से उबरकर आर्थिकी घ्अब निर्णायक दौर में पहुंच रही है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, मगर रियल एस्टेट सेक्टर को प्रोत्साहन की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं। कुछ नियमों में बदलाव से होम लोन सस्ते होने की उम्मीद जगी है। बैंक ने प्रीमियम होम लोन को लेकर नियमों में बदलाव किये हैं, जिससे बैंक अब आसानी से प्रीमियम होम लोन बांट सकेंगे, जिसमें ब्याज दर भी कम हो सकती है। सरकार व केंद्रीय बैंक यह महसूस करते रहे हैं कि रियल एस्टेट में रोजगार के बड़े अवसर सृजित किये जा सकते हैं, जो कि अर्थव्यवस्था के विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। दरअसल, होम लोन देने के वक्त बैंकों को जो कैपिटल रिजर्व रखना पड़ता था, आरबीआई ने उसकी सीमा घटा दी है, जिससे बैंक अब अधिक लोन दे सकेंगे तथा कम पूंजी रखने से होने वाले लाभ से ब्याज दरों में भी कमी कर सकेंगे। यह नियम 31 मार्च, 2022 तक लागू रहेगा। केंद्रीय बैंक ने अब बैंकों के कैपिटल रिजर्व को पचास प्रतिशत से घटाकर 35 फीसदी कर दिया है। अतरू अब बैंकों के पास कारोबार के लिये ज्यादा पूंजी उपलब्ध होगी। साथ ही केंद्रीय बैंक ने कोरोना संकट काल में डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिये दिसंबर, 2020 से आरटीजीएस को 24 घंटे लागू करने का मन बनाया है। इसके साथ ही देश के शीर्ष बैंक की कोशिश है कि अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिये वित्तीय व्यवहार को आसान बनाया जाये, जिसके मद्देनजर केंद्रीय बैंक अगले हफ्ते बीस हजार करोड़ रुपये ओपन मार्केट ऑपरेशन करेगा। दरअसल, केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में तरलता लाने के लिये ओपन मार्केट ऑपरेशन करता है। मकसद यही है कि आसान वित्तीय परिस्थितियां बनाने के लिये पूंजी की तरलता में वृद्धि की जाये। बहरहाल, त्योहारी सीजन में भले ही केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रयासों के लिये उठाये कदमों का शेयर बाजार ने स्वागत किया है। शुक्रवार को शेयर बाजार में मजबूती देखी गई। उम्मीद की जानी चाहिए कि आगामी त्योहारी सीजन में अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

पराली की तपिश

निस्संदेह दिल्ली-एनसीआर इलाके में प्रदूषण की समस्या तब ज्यादा जटिल हो जाती है जब धान की फसल के बाद किसान खेतों में पराली जलाने लगते हैं।घ्बीते मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने खेतों में पराली जलाने के विरुद्ध दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए केंद्र व निकटवर्ती राज्यों हरियाणा, पंजाब, यूपी तथा दिल्ली सरकारों को जवाब दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस.ए. बोबड़े की अध्यक्षता वाली तीन जजों की खंडपीठ ने चेताया कि यदि समय रहते इस दिशा में कोई कार्रवाई न हुई तो स्थिति खराब हो जायेगी। इस मामले पर अगली सुनवाई 16 अक्तूबर को होनी है। ऐसे वक्त में जब देश में कोविड-19 की महामारी फैली हुई है, प्रदूषण समस्या को और विकट बना सकती है। दरअसल, तमाम प्रयासों व दावों के बावजूद खेतों में पराली जलाने की समस्या काबू में नहीं आ रही है। पंजाब में किसानों की शिकायत है कि राज्य सरकार उन्हें अवशेष को न जलाने के एवज में मुआवजा देने में असफल रही है। मौजूदा हालात में वे पराली के निस्तारण के लिये खरीदी जाने वाली मशीनरी हेतु ऋण भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं। वहीं मुख्यमंत्री का दावा है कि उन्होंने पराली प्रबंधन की लागत कम करने के लिये केंद्र सरकार के साथ मिलकर कार्य किया है। दरअसल, खेती में मानव श्रम की हिस्सेदारी कम होने और कृषि मशीनरी के अधिक उपयोग से पराली की समस्या विकट हुई है। पंजाब में पराली जलाने से रोकने की निगरानी हेतु राज्य में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हुई है। इन नोडल अधिकारियों का दायित्व है कि वे पराली के निस्तारण हेतु उपकरण उपलब्ध कराने, पराली की उपज का अनुमान लगाने और मुआवजे को अंतिम रूप देने का दायित्व निभायेंगे। केंद्र द्वारा हाल में लाये गये किसान सुधार बिलों के खिलाफ पंजाब में जारी आंदोलन के बीच इस समस्या से निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। सुझाव दिया जाता रहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उन्हीं किसानों को मिले जो पराली का निस्तारण ठीक ढंग से करते हैं। निस्संदेह खेतों में पराली जलाने से रोकने के लिये किसानों को जागरूक करने की भी जरूरत है। किसानों को दंडित किये जाने के बजाय उनकी समस्या के निस्तारण में राज्य तंत्र को सहयोग करना चाहिए।

विडंबना ही है कि पराली के कारगर विकल्प के लिये केंद्र व राज्य सरकारों की तरफसे समस्या विकट होने पर ही पहल की जाती है, जिससे समस्या का कारगर समाधान नहीं निकलता। वजह यह भी है कि साल के शेष महीनों में समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाता। हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने एक सस्ता और सरल उपाय तलाशा है। उसने एक ऐसा घोल तैयार किया है, जिसका पराली पर छिड़काव करने से उसका डंठल गल जाता है और वह खाद में तबदील हो जाता है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि पराली जलाने की प्रक्रिया में कॉर्बनडाइऑक्साइड व घातक प्रदूषण के कण अन्य गैसों के साथ हवा में घुल जाते हैं जो सेहत के लिये घातक साबित होते हैं। बीते साल एक एजेंसी ने पराली जलाने से होने वाले धुएं में पंजाब व हरियाणा की हिस्सेदारी 46 फीसदी बतायी थी, जिसमें अन्य कारक मिलकर समस्या को और जटिल बना देते हैं। निश्चय ही जटिल होती समस्या हवा की गति, धूल व वातावरण की नमी मिलकर और जटिल हो जाती है। दरअसल, ऐसे समय में निर्माण और अन्य औद्योगिक गतिविधियों पर निगरानी की जरूरत होती है जो प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका निभाते हैं। ऐसे वक्त में जब दीवाली का त्योहार भी करीब है, समस्या के विभिन्न कोणों को लेकर गंभीरता दिखाने की जरूरत है। साथ ही किसानों को जागरूक करने की भी जरूरत है कि भले ही किसान को पराली जलाना आसान लगता हो, मगर वास्तव में यह खेत की उर्वरता को नुकसान ही पहुंचाता है। लेकिन समस्या यह भी है कि छोटे व मझोले किसान पराली निस्तारण के लिये महंगी मशीन खरीदने में सक्षम नहीं हैं। इस दिशा में सब्सिडी बढ़ाने की भी जरूरत महसूस की जा रही है।

सामाजिक खाई पैदा करते ये संकीर्ण मानसिकता के लोग

भारत वर्ष की समाजिक व्यवस्था सदियों से धार्मिक व सामाजिक सद्भाव व सौहार्द पर आधारित रही है। देश के ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जो हमें यह बताते आ रहे हैं कि किस तरह हमारे पूर्वजों ने सौहार्द की वह बुनियाद रखी जिस का अनुसरण आज तक हमारा देश और यहाँ के बहुसंख्य लोग करते आ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर मराठा शासक छत्रपति शिवाजी एक मुस्लिम सूफी संत बाबा याकूत शहर वर्दी के बड़े मुरीद थे। शिवजी ने बाबा याकूत को 653 एकड़ जमीन जागीर के रूप में भेंट कर वहाँ एक विशाल खानकाह का निर्माण करवाया। शिवाजी जब भी युद्ध के लिए जाते थे तो अपनी विजय के लिए बाबा याकूत से आशीर्वाद लेकर जाते थे। इसी तरह अयोध्या सहित देश के अनेक स्थानों पर मुस्लिम शासकों द्वारा मंदिर निर्माण के लिए जमीनें दी गईं व पूजा हेतु वजीफे निर्धारित किये गए। भारतीय इतिहास के रहीम,रस खान व जायसी जैसे अनेक मुस्लिम कवि ऐसे हुए जिन्होंने अपनी रचनाएं हिन्दू देवी देवताओं की शान में ही समर्पित की हैं। स्वयं संत कबीर ने मुस्लिम परिवार की संतान होने के बावजूद रामानन्द संप्रदाय के प्रवर्तक स्वामी रामानन्दाचार्य के सानिध्य में रहकर ज्ञान हासिल किया तथा वहीं परवरिश पाई। इसी प्रकार आज तक देश में न जाने कितनी जगहें ऐसी हैं जहाँ मुस्लिम समुदाय के लोग मंदिरों की निगहबानी कर रहे हैं तो हिन्दू लोग दरगाहों व इमाम बारगाहों की देखरेख करने में स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। कहीं हिन्दू रोजे रखते हैं तो कहीं मुसलमान गणेश चतुर्थी मनाते हैं। कहीं हिन्दू ताजिया रखते हैं और शहीद -ए-करबला हजरत इमाम हुसैन का मातम करते हैं तो कहीं मुसलमान, मंदिर निर्माण के लिए अपनी जमीन दान करते हैं।अयोध्या के मंदिर मस्जिद विवाद के बीच अभी खबर आई कि बाबरी मस्जिद के बदले अयोध्या के समीप बनने वाली मस्जिद में दान की पहली रकम लखनऊ विश्वविद्यालय के एक हिन्दू प्रोफेसर द्वारा भेंट की गयी। देश का इतिहास और वर्तमान ऐसी मिसालों से पटा पड़ा है। तभी इकबाल ने कहा था - मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,हिंदी हैं हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा। हमारे देश में आज भी सैकड़ों राम लीलाएं ऐसी होती हैं जिन्हें मुस्लिम लोग आयोजित करते हैं। इनमें अनेकानेक ऐसी हैं जिनमें मुस्लिम कलाकार हिस्सा लेते हैं। निर्देशन से लेकर मेक अप व कॉस्ट्यूम तक के काम मुसलमानों द्वारा किये जाते हैं। रावण के पुतले के निर्माण में तो मुस्लिम कारीगर देश में प्रथम स्थान रखते हैं। अयोध्या में सदियों से मुसलमान दर्जी, देवी देवताओं की पोषक सीने से लेकर प्रशाद व अन्य पूजा संबंधी सामग्री बेचने तक का काम करते आ रहे हैं। परन्तु हमारे देश में सभी धर्मों में कुछ शक्तियां ऐसी भी सक्रिय हैं जिन्हें धार्मिक सद्भाव व सौहार्द पसंद नहीं। कूप मंडूक मानसिकता से ग्रसित ऐसे लोग अपनी ही संस्कारी व किताबी दुनिया में जीना चाहते हैं। किसी भी बात को यह लोग अपने संकीर्ण सांप्रदायिक व कट्टर धार्मिक नजरिये से देखने की कोशिश करते हैं। और इनकी यही संकीर्णता समाज में खाई व वैमनस्य पैदा करती है। पिछले दिनों ऐसे ही संकीर्ण विचारों का एक मामला बंगला फिल्म अभिनेत्री व तृणमूल कांग्रेस की सासंद नुसरत जहां से जुड़ा हुआ सामने आया।

नुसरत जहाँ पेशेवर कलाकार हैं और प्रसिद्ध सामाजिक शख्सियत व निर्वाचित सांसद हैं। पिछले दिनों दुर्गाष्टमी व नवमी के मौके पर नुसरत ने खूब ढोल बजाया और नृत्य किया। उनके इस सद्भावनापूर्ण कार्य की समाज में घोर प्रशंसा की गयी। सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने इसे सराहा व शेयर किया। परन्तु एक देव बंदी आलिम ने बिना किसी के पूछे ही यह ज्ञान बांटना जरूरी समझा कि-श्नाचना इस्लाम के अनुसार हराम हैश्. मुफ्ती साहब ने यह सलाह भी दे डाली कि अगर नुसरत को गैर मजहबी काम करने हैं, तो वो अपना नाम बदल सकती हैं लेकिन मुसलमान और इस्लाम को बदनाम क्यों कर रही हैं ? इस फतवे के जारी होने के बाद नुसरत जहां,को कहना ही पड़ा कि श्मैं अपने धर्म का सम्मान करती हूं। और वो ताउम्र मुस्लिम रहेंगी. नुसरत ने कहा कि वो इसी धर्म में पैदा हुई हैं और इसकी बहुत इज्जत भी करती हैं लेकिन उन्हें फतवा जैसी बातों से फर्क नहीं पड़ता और उन्होंने इस और ध्यान देना भी बंद कर दिया है। इसी प्रकार के फतवों व गैर जरूरी बयानों से प्रेरित कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर नुसरत को जान से मारने की धमकी तक दे डाली है। पहले भी नुसरत को कट्टरपंथी तत्व धमकियाँ देते रहे हैं।इन मुसलमानों को जो नृत्य व संगीत से नफरत करते हैं व इसे गैर इस्लामी बताते हैं सबसे पहले इस्लाम के सूफी मत में झाँकना चाहिए जहां नृत्य व संगीत दोनों को ही न केवल मान्यता हासिल है बल्कि यह इसके प्रमुख अंग भी हैं। कुछ समय पूर्व ऐसा ही एक बेहूदा फतवा यह भी सुनाई दिया था कि श्मुस्लिम लड़कियाँ किसी बैंक कर्मचारी से शादी न करें क्योंकि उनकी कमाई हलाल की कमाई नहीं है। मगर इन फतवेबाजों से कोई यह पूछे कि इन्होंने कभी खान बहादुर हाजी अब्दुल्लाह हाजी कासिम साहब बहादुर का नाम भी सुना है? यह वही महान शख्सियत थी जिनपर मुसलमान ही नहीं बल्कि पूरा देश गर्व करता है। इन्होंने ही कॉरपोरेशन बैंक की बुनियाद डाली थी। सोचने का विषय कि एक फतवेबाज मुफ्ती अधिक दूरदर्शी मुसलमान हो सकता है या हाजी अब्दुल्लाह हाजी कासिम साहेब जैसे महान लोग ? हिन्दू धर्म से संबद्ध कुछ ऐसे ही तत्वों ने 2016 में फिल्म कलाकार नवाजुद्दीन को मुजफ्फरनगर जिले में उनके अपने ही पैतृक गांव में रामलीला में मारीच की भूमिका निभाने से केवल इसी लिए रोक दिया था क्योंकि वे मुसलमान थे। ऐसी घटनाएँ देश में कहीं न कहीं कभी न कभी होती तो जरूर रहती हैं परन्तु इन्हें अपवाद के रूप में ही देखा जाना चाहिए। हम सभी उदारवादी व प्रगतिशील विचार रखने वालों को यह समझना चाहिए कि संकीर्ण मानसिकता के यह इक्का दुक्का लोग जो सभी धर्मों में पाए जाते हैं, यह दरअसल सामाजिक खाई पैदा करने व इसे निरंतर गहरा करते रहने के काम में ही व्यस्त रहते हैं जबकि उदारवाद व प्रगतिशीलता सामाजिक व धार्मिक सेतु का काम करती है।

सार समाचार .....

बी.सी.सी.आई. ने महिला टी-20 चैलेंज की टीम और शेड्यूल का किया ऐलान

पेरिस , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी-20 चैलेंज के लिए तीनों टीमों की घोषणा कर दी है. यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात) में 4 से 9 नवंबर के बीच खेला जाएगा. तीन महिला टीमें- सुपरनोवाज, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी की कमान भारत की तीन बल्लेबाजों को सौंपी गई है. हरमनप्रीत कौर सुपरनोवाज की कप्तान होंगी. ट्रेलब्लेजर्स की कप्तानी स्मृति मंधाना करेंगी, जबकि मिताली राज को वेलोसिटी की कप्तानी का जिम्मा दिया गया है. टूर्नामेंट में भारत की खिलाड़ियों के अलावा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की महिला खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगी. इन सभी देशों के अलावा थाईलैंड की नत्ताहाकन चंतम भी इसमें हिस्सा लेंगी, जो अपने देश के लिए टी20 वर्ल्ड कप में हाफ सेंचुरी लगाने वाली पहली क्रिकेटर बनी थीं. टी-20 चैलेंज में 4 मैच खेले जाएंगे. पहला मैच 4 नवंबर को सुपरनोवाज और वेलोसिटी के बीच होगा. दूसरा मैच 5 नवंबर को वेलोसिटी और ट्रेलब्लेजर्स के बीच खेला जाएगा. 7 नवंबर को ट्रेलब्लेजर्स का सामना सुपरनोवाज से होगा.फाइनल 9 नवंबर को खेला जाएगा. यह मैच किन मैदानों पर खेले जाएंगे इस बात की जानकारी बोर्ड ने नहीं दी है. यूएई में ही आईपीएल का 13वां सीजन खेला जा रहा है. शारजाह, दुबई, अबु धाबी में मैच खेले जा रहे हैं. खिलाड़ी 22 अक्टूबर को यूएई रवाना हो सकती हैं जहां उन्हें आईपीएल टीमों की तरह छह दिनों तक पृथकवास पर रहना होगा. इसके बाद वे जैव सुरक्षित वातावरण में प्रवेश करेंगी. टूर्नामेंट आईपीएल के तीन स्थानों में से किस स्थान पर खेला जाएगा यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन पूरी संभावना है कि इसका आयोजन शारजाह में किया जाएगा, जहां का मैदान दुबई और अबु धाबी की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा है.

टीमें -

सुपरनोवाज = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमाह रोड्रिग्स (उपकप्तान), चामारी अट्पट्टू, प्रिया पूनिया, अनुजा पाटिल, राधा यादव, तान्या भाटिया (विकेटकीपर), शशिकला सिरिवर्धने, पूनम यादव, शकीरा सलमान, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, आयुषी सोनी, अयाबोंगा खाका, मुस्कान मलिक.

ट्रेलब्लेजर्स = स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), पूनम राउत, ऋचा घोष, डी हेमलता. नुजहत परवीन (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, झूलन गोस्वामी, सिमरन दिल बहादुर, सलमा खातून, सोफी एक्लेस्टोन, नत्ताहाकन चंतम, डिएंड्रा डॉटिन, काशवी गौतम.

वेलोसिटी = मिताली राज (कप्तान), वेदा कृष्णामूर्ति (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, सुषमा वर्मा (विकेटकीपर), एकता बिष्ट, मानसी जोशी, शिखा पांडे, देविका वैद्य, सुश्री दिब्यादर्शिनी, मनाली दक्षिणी, लेह कैसपेरेक, डेनियल वायट, सुन लुस, जहांआरा आलम, एम. अनघा.

लगातार 4 मुकाबले हार चुकी राजस्थान रॉयल्स में बेन स्टोक्स की हो सकती है वापसी

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 61
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 34
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 26
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 144
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 122

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 26वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच थोड़ी देर में दुबई में खेला जाएगा। लगातार 4 मैच हार चुकी राजस्थान की टीम में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी हो सकती है। स्टोक्स यूएई में अपना क्वारैंटाइन पीरियड पूरा कर चुके हैं। ऐसे में कप्तान स्टीव स्मिथ टीम का मिडिल ऑर्डर मजबूत करने के लिए एंड्र्यू टाई की जगह उन्हें मौका दे सकते हैं। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम फॉर्म में दिख रही है। कप्तान डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो रन बना रहे हैं और राशिद खान की गेंदबाजी में भी धार दिख रही है। ऐसे में हैदराबाद के पास राजस्थान के खिलाफ जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप-4 में जगह बनाने का मौका होगा। **पॉइंट्स टेबल में हैदराबाद 5वें स्थान पर**

पॉइंट्स टेबल में डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद 5वें स्थान पर है। हैदराबाद ने सीजन में कुल 6 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 3 में जीत और 3 में हार का सामना करना पड़ा। 6 पॉइंट्स के साथ वह 5वें स्थान पर है।

शुरुआती मुकाबले जीतने के बाद सभी मैच हारी राजस्थान

राजस्थान रॉयल्स की सीजन में शुरुआत तो शानदार हुई थी, लेकिन उसके बाद उसकी गाड़ी जीत की पटरी से उतरती नजर आई। रॉयल्स ने अपने पिछले चारों मुकाबले हारे हैं। 4 पॉइंट्स के साथ वह 7वें स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में वह जीत की पटरी पर वापस आना चाहेगी।

हैदराबाद-राजस्थान के महंगे खिलाड़ी

हैदराबाद के सबसे महंगे खिलाड़ी डेविड वॉर्नर हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी सीजन का 12.50 करोड़ रुपए देगी। इसके बाद टीम के दूसरे महंगे खिलाड़ी मनीष पांडे (11 करोड़) हैं। वहीं, वहीं, राजस्थान में कप्तान स्मिथ 12.50 करोड़ और संजू सैमसन 8 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। पिच रिपोर्ट

दुबई में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। दुबई में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 55.74त्न रहा है।

हैदराबाद ने 2 और राजस्थान ने एक बार खिताब जीता

हैदराबाद ने 3 बार (2009, 2016 और 2018) फाइनल में जगह बनाई और 2 बार (2009 और 2016) खिताब अपने नाम किया। वहीं, राजस्थान ने आईपीएल (2008) का पहला सीजन अपने नाम किया था।

आईपीएल में हैदराबाद का सक्सेस रेट राजस्थान से ज्यादा लीग में सनराइजर्स हैदराबाद का सक्सेस रेट 53.50त्न है। एसआरएच ने अब तक कुल 114 मैच खेले हैं, जिनमें उसने 61 मैच जीते और 53 हारे हैं। वहीं, राजस्थान का सक्सेस रेट 50.66त्न है। राजस्थान ने अब तक कुल 153 मैच खेले हैं, जिनमें उसने 77 जीते और 74 हारे हैं। 2 मैच बेनतीजा रहे।

रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ सीएसके की सबसे बड़ी हार

अबुधामी, एजेंसी। आईपीएल के 13वें सीजन के 25वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 37 रन से हरा दिया। दुबई में खेले गए मैच में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 170 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में चेन्नई 8 विकेट गंवाकर 132 रन ही बना सकी। चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की यह रन के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2010 में चेन्नई को 36 रन से हराया था। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली (90) ने आईपीएल में अपनी 38वीं फिफ्टी लगाई। इस जीत के साथ बेंगलुरु पॉइंट्स टेबल के टॉप-4 में पहुंच गई है।

सीएसके ने 2010 में 7 में से 5 मैच हारने के बाद जीता था खिताब सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 में से 5 मैच हारे हैं। टीम ने ओपनिंग मैच जीतने के बाद लगातार तीन मैच हारे। अपना 5वां मुकाबला जीतने के बाद टीम ने फिर लगातार दो मैच गंवा दिए। हालांकि, इससे पहले भी चेन्नई ने 2010 सीजन में अपने शुरुआती 7 में से 5 मैच हारे थे, लेकिन तब उन्होंने शानदार वापसी की थी। तब सीएसके ने आईपीएल खिताब के साथ चैम्पियंस लीग भी अपने नाम की थी।

चेन्नई के लिए रायडू और जगदीसन ने सबसे ज्यादा रन बनाए लक्ष्य पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 25 रन पर ही दो विकेट गंवा दिए थे। चेन्नई के लिए अंबाती रायडू ने सबसे ज्यादा 42 और डेब्यू मैच खेल रहे एन जगदीसन ने 33 रन की पारी खेली। वहीं, बेंगलुरु के क्रिस मॉरिस ने 3 और वाशिंगटन सुंदर ने 2 विकेट लिए, जबकि इसुरु उडाना और युजवेंद्र चहल को 1-1 विकेट मिला।

कोहली-पडिक्कल ने आरसीबी की पारी को संभाला बेंगलुरु ने 4 विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। टीम की शुरुआत ठीक नहीं रही थी। उसने 13 रन पर ही पहला विकेट गंवा दिया था। इसके बाद कप्तान विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन की पार्टनरशिप करते हुई पारी को संभाला। कोहली ने 52 बॉल पर नाबाद 90 और पडिक्कल ने 34 बॉल पर 33 रन की पारी खेली। इसके बाद कोहली ने शिवम दुबे के साथ 5वें विकेट के लिए 75 रन की नाबाद साझेदारी की। शिवम ने 14 बॉल पर 22 रन की पारी खेली। वहीं, चेन्नई के लिए शार्दुल ठाकुर ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। दीपक चाहर और सैम करन को भी 1-1 विकेट मिला।

शार्दुल ने एक ओवर में पडिक्कल-डिविलियर्स को आउट किया शार्दुल ठाकुर ने पारी के 11वें ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (33) को फाफ डु प्लेसिस और एबी डिविलियर्स को विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के हाथों कैच आउट कराया। डिविलियर्स खाता भी नहीं खोल सके। एरॉन फिंच 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें दीपक चाहर ने बोल्ड किया।

धोनी और कोहली 15 महीने बाद साथ में मैदान पर उतरे मैच में 15 महीने बाद भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और आरसीबी के कप्तान विराट कोहली एक साथ मैदान पर उतरे हैं। हालांकि दोनों एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा संभाल रहे। इससे पहले 2019 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में दोनों एक साथ मैदान में दिखे थे।

दोनों टीम में विदेशी खिलाड़ी चेन्नई की प्लेइंग इलेवन में कप्तान धोनी ने विदेशी प्लेयर शेन वॉटसन, फाफ डु प्लेसिस, ड्वेन ब्रावो और सैम करन को बरकरार रखा है। वहीं, कप्तान विराट कोहली ने आरसीबी की प्लेइंग इलेवन में एरॉन फिंच, एबी डिविलियर्स, क्रिस मॉरिस और इसुरु उडाना को शामिल किया।

सबसे महंगे और सस्ते खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस

सीएसके में कप्तान धोनी सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। टीम उन्हें एक सीजन के 15 करोड़ रुपए देगी।

19 साल की लड़की ने फ्रेंच ओपन जीत रचा इतिहास

पेरिस, एजेंसी। इगा स्वियातेक ने 54वीं वरीयता के साथ टूर्नमेंट की शुरुआत की। 19 साल की इस पोलिश खिलाड़ी से लोगों को ज्यादा उम्मीद नहीं थी। हालांकि स्वियातेक ने सभी आशंकाओं को दरकिनार करते हुए शनिवार को इतिहास रच दिया। वह फ्रेंच ओपन चैंपियन थीं। अपने देश की पहली ग्रैंड स्लैम विजेता। उनसे पहले कोई दूसरी पोलिश खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम की ट्रोफी को हाथ में लेकर नहीं खड़ी हुई थी। फाइनल में उन्होंने अमेरिका की सोफिया केनिन को सीधे सेटों में 6 4, 6 1 से हराया। कमाल की बात यह रही कि पूरे टूर्नमेंट में इगा ने एक भी सेट नहीं हारा। वह 1992 में मोनिका सेलेस की जीत के बाद सबसे युवा ग्रैंड स्लैम विजेता भी बनीं। सेलेस की उम्र भी तब 19 साल की ही थी। परिवार के सामने ट्रोफी हाथ में लिए इगा भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं बहुत खुश हूं मेरे परिवार आखिर यहां है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। 31 मई 2001 को पोलैंड के वरसॉ मे जन्मीं इगा को खेल विरासत में मिला। उनके पिता टॉमरेज स्वियातेक ओलिंपिक में भाग ले चुके हैं। 1988 के सोल ओलिंपिक में वह नाविक टीम का हिस्सा थे। वह साल 2018 था जब लोगों ने पहली बार इगा के खेल को नोटिस किया। वह जूनियर विंबलडन चैंपियन बनी थीं। लेकिन फ्रेंच ओपन 2020 में उन्हें किसी से खास तवज्जो नहीं दी थी। लेकिन 54 वरीय इस खिलाड़ी ने ट्रोफी जीतकर इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली लोएस्ट रैंकिंग (54) खिलाड़ी हैं। फ्रेंच ओपन के अपने पूरे सफर में उन्होंने एक भी सेट नहीं गंवाया। साल 2007 में बेल्जियम की जस्टिन हेनिन के बाद वह पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने कोई सेट गंवाए बिना ग्रैंड स्लैम जीता हो। चार साल बाद इगा और सोफिया की यह एक और भिड़ंत थी। 2016 में फ्रेंच ओपन जूनियर के तीसरे राउंड में दोनों आमने सामने थीं। तब भी पोलिश खिलाड़ी ने ही जीत हासिल की थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के शेड्यूल पर विवाद

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक भारत के खिलाफ होने वाले सीरीजों का कार्यक्रम जारी नहीं किया है, जो अगले महीने से शुरू हो रही है, लेकिन इससे पहले ही विवाद पैदा हो गया है. सिर्फ ब्रॉडकास्टर सेवन वेस्ट मीडिया ही नहीं, चैनल-7 के मालिक भी ऑस्ट्रेलिया द्वारा तैयार किए गए संभावित कार्यक्रम की आलोचना कर रहे हैं. अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर ने भी सीए को आड़े हाथों लिया है और बीसीसीआई के अनुरूप कार्यक्रम तैयार करने पर उसकी आलोचना की है,

कोलकाता नाइट राइडर्स के सुनील नारायण के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत

अबु धाबी एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के अबूझ स्पिनर वेस्टइंडीज के सुनील नारायण के आईपीएल में संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की गई है और इसके लिए उन्हें चेतावनी सूची में डाल दिया गया है। आईपीएल की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कोलकाता के अबु धाबी में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शनिवार को हुए मैच के बाद मैदानी अंपायरों ने नारायण के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की। आईपीएल की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की नीति के अनुसार नारायण को चेतावनी सूची में रखा जाएगा और उन्हें टूर्नामेंट में गेंदबाजी जारी रखने की अनुमति है, लेकिन उनकी इस मामले में एक और शिकायत होने पर उन्हें गेंदबाजी करने से तब तक के लिए निलंबित कर दिया जाएगा जब तक बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन समिति उन्हें क्लीन चिट नहीं दे देती।

सुनील नरेन का बॉलिंग एक्शन पर संदिग्ध पाया गया, अगली बार शिकायत हुई तो आईपीएल में आगे नहीं खेल सकेंगे

अबुधामी, एजेंसी। आईपीएल-13 में शनिवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मैच हुआ। कोलकाता ने पंजाब को 2 रन से हरा दिया। लेकिन, केकेआर के लिए एक फिक्र में डालने वाली खबर आई। दरअसल, केकेआर के स्पिनर सुनील नरेन का बॉलिंग एक्शन संदिग्ध पाया गया है। फिलहाल, उन्हें वॉर्निंग दी गई है। अगर इस बारे में एक और शिकायत आती है तो इस सीजन में नरेन आगे बॉलिंग नहीं कर सकेंगे। हालांकि, बतौर बल्लेबाज वे लीग में खेलना जारी रख सकते हैं। पहले भी उनके साथ यह हो चुका है। नरेन ने पंजाब के खिलाफ इस मैच में 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। नरेन के संदिग्ध बॉलिंग की शिकायत अंपायर उल्हास गांधे और क्रिस गैफनी ने दी। ये दोनों ही अंपायर शनिवार के मैच में ग्राउंड अंपायरिंग कर रहे थे। बाद में बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन कमिटी ने नरेन का नाम अपनी वॉर्निंग लिस्ट में शामिल कर लिया। नरेन को यही कमेटी आगे गेंदबाजी के लिए हरी झंडी देगी। ये पहली बार नहीं है जब नरेन के बॉलिंग एक्शन को संदिग्ध पाया गया है। उनके साथ पहले भी यह होता रहा है। आईसीसी की बॉलिंग एक्शन गाइड लाइन्स के मुताबिक, बॉल रिलीज यानी छोड़ने के वक्त गेंदबाज का हाथ 15 डिग्री से ज्यादा नहीं मुड़ना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो इसे थ्रो आर्म कैटेगरी में रखा जाता है। मैदानी अंपायर इस बारे में बॉलर को वॉर्निंग देते हैं। इसके बाद रिपोर्ट मैच रेफरी को सौंपी जाती है। बाद में आईसीसी की रेगुलेशन कमेटी इस बारे में फैसला करती है। आईसीसी ने संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन वाले प्लेयर्स के लिए ऑस्ट्रेलिया में टेस्टिंग सेंटर भी बनाया है।

दिल्ली और मुंबई दिखाएंगी दम.....

नई दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन के 27वें मुकाबले में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस) की टीमें आमने-सामने होंगी. मौजूदा सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहीं इन दोनों टीमों की जंग में कई महारथियों के आपसी मुकाबलों पर भी नजरें रहेंगी. अबुधाबी में यह मुकाबला शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा. दोनों का बल्लेबाजी शीर्ष क्रम जबर्दस्त है और मध्यक्रम बेहद मजबूत. इसके साथ ही दोनों के पास धारदार गेंदबाजी आक्रमण है. दिल्ली कैपिटल्स 6 मैचों में 5 मुकाबले जीतकर टॉप पर है, जबकि मुंबई इंडियंस इतने ही मैचों में 4 जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है. आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें, तो मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच अब तक 24 मुकाबले (2008-2019) हो चुके हैं. दोनों 12-12 मैच जीतकर बराबरी पर हैं (दिल्ली कैपिटल्स ही पहले दिल्ली डेयरडेविल्स थी). अगर किसी मामले में एक टीम का पलड़ा भारी है तो वह तेज गेंदबाजों के अनुभव के मामले में मुंबई इंडियंस का. जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के पास वर्षों का अनुभव है और वे निर्णायक साबित हो सकते हैं. इसके मायने हैं कि शिखर धवन को दिल्ली को अच्छी शुरुआत देनी होगी. कई मैचों में अच्छी शुरुआत के बावजूद वह बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं. इस बड़े मुकाबले में उनसे ऐसी उम्मीद होगी. पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत की भी यह पहली परीक्षा होगी, जिन्हें बुमराह और बोल्ट का सामना करना होगा. दिल्ली के लिए अच्छी बात शिमरॉन हेटमेयर का फॉर्म में लौटना रही, जिन्होंने रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया. कप्तान श्रेयस अय्यर खुद फॉर्म में हैं और देखना होगा कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के सामने वह कैसी कप्तानी करते हैं. मुंबई के पास हार्दिक पंड्या और कीरोन पोलार्ड जैसे हरफनमौला हैं, जो अपने दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं. क्रुणाल पंड्या भी संक्षिप्त भूमिकाओं में उपयोगी साबित हुए हैं. दिल्ली के पास कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्तजे के रूप में फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज हैं. वहीं रविचंद्रन अश्विन ने भी प्रभावी स्पिन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है. चोटिल अमित मिश्रा की कमी अक्षर पटेल ने पूरी कर दी है.अबु धाबी के बड़े मैदान पर 170 का स्कोर अच्छा कहा जाएगा, लेकिन मुंबई और दिल्ली के बल्लेबाजों को देखते हुए 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं है. बई इंडियंस रोहित शर्मा (कप्तान), आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकूल रॉय, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, दिग्विजय देशमुख, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, जेम्स पेटिंसन, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, क्रुणाल पंड्या, मिशेल मैक्लेनघन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, प्रिंस बलवंत राय, क्विंटन डि कॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट.

दिल्ली कैपिटल्स

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, शिमरॉन हेटमेयर, कैगिसो रबाडा, अजिंक्य रहाणे, अमित मिश्रा, ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, अक्षर पटेल, संदीप लमिछाने, कीमो पॉल, डेनियल सैम्स, मोहित शर्मा, एनरिक नोर्तजे, एलेक्स कैरी, अवेश खान, तुषार देशपांडे, हर्षल पटेल, मार्कस स्टोइनिस, ललित यादव।

ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट

पेरिस एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और क्ले कोर्ट के बेताज बादशाह तथा 12 बार के विजेता स्पेन के राफेल नडाल के बीच क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का ब्लॉकबस्टर खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्तेफानोस सितसिपास को पांच सेटों के संघर्ष में 6-×, 6-2, 5-7, 4-6, 6-1 से हराया और पांचवीं बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया जबकि विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नडाल ने 12वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन को लगातार सेटों में 6-×, 6-×, 7-6 (0) से हराकर 1×वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनायी।

पायल घोष ने याद की सूरज बड़जात्या और अनुराग कश्यप से पहली मुलाकात, कहा- मुझे बदल दिया

ऐक्ट्रेस पायल घोष बीते कई दिनों से चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मुद्दे पर वह लगातार ट्वीट कर रही हैं। उन्होंने अनुराग के खिलाफ स्ढ्ढक्र भी दर्ज करवाई है। अपने रीसेंट ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि सूरज बड़जात्या के बाद अनुराग कश्यप से मिलने पर वह पूरी तरह से बदल गईं।

याद की सूरज बड़जात्या और अनुराग से मुलाकात

पायल ने लिखा है, पहले मैं सूरज बड़जात्या सर से मिली, मुझे लगा कि जिंदगी गुलाबों से भरी है और जब मैं मिस्टर कश्यप से मिली तो पूरा मतलब ही बदल गया। एक सिक्के के दो पहलू। इसने मुझे एक अलग इंसान बना दिया... कोई बात नहीं जिंदगी पहले से बेहतर है, अपने करियर के शुरुआती दिनों जैसा फ्रेश फील कर रही हूं। पायल घोष ने बीते दिनों एक वीडियो जारी करके सनसनी मचा दी थी। उन्होंने इस वीडियो में बताया था कि फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने उन्हें अपने घर बुलाकर उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। पायल इस मामले में अनुराग के खिलाफ स्ढ्ढक्र दर्ज करवा चुकी हैं। पुलिस अनुराग को बुलाकर लंबी पूछताछ कर चुकी है। अनुराग शुरू से पायल के आरोपों को गलत बता रहे हैं। उनका कहना है कि जिस समय की बात पायल कर रही हैं, उस वक्त वह श्रीलंका में थे।

वहीं पायल ने रीसेंटली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि माफिया गैंग उनकी हत्या कर देगा और उनकी मौत को आत्महत्या साबित कर देगा। वह लगातार सुरक्षा की मांग कर रही हैं।

फैन ने यामी गौतम से पूछा- ड्रग्स लेती हो क्या?

हाल में यामी गौतम की फिल्म गिन्नी वेड्स सनी रिलीज हुई है। फिल्म को मिले-जुले रिव्यूज मिल रहे हैं मगर यामी गौतम की परफॉर्मेंस की काफी तारीफ हो रही है। इस बीच यामी ने अपनी फिल्म रिलीज होने के बाद ट्विटर पर फैन्स के लिए सेशन रखा। इस सेशन में फैन्स ने यामी गौतम से काफी दिलचस्प सवाल भी पूछे और यामी ने सभी का जवाब खुलकर दिया।

फैन ने पूछा- ड्रग्स लेती हैं?

पिछले कुछ दिनों से बॉलिवुड में ड्रग्स के इस्तेमाल पर काफी चर्चा चल रही है। लोगों का मानना है कि काफी सारे बॉलिवुड सिलेब्रिटीज कथित तौर पर ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं। यामी गौतम के इस सेशन में उनके एक फैन ने भी यामी से पूछ लिया कि क्या वह ड्रग्स का इस्तेमाल करती हैं? फैन ने यामी से पूछा, यामी गौतम क्या आप ड्रग्स लेती हो? मुझे पता है कि ओपन प्लैटफॉर्म पर ऐसा सवाल पूछा जाना काफी बेवकूफाना है, लेकिन अगर आ लेती हो तो मेरा दिल टूट जाएगा। अपने फैन्स के लिए बोल दीजिए कि आप नहीं लेतीं। इसके जवाब में यामी ने लिखा, नहीं, मैं ड्रग्स नहीं लेती और इसके सख्त खिलाफ हूं। ड्रग्स को ना कहिए। फैन्स ने और भी पूछे दिलचस्प सवाल

वैसे इस सेशन में फैन्स ने यामी गौतम से और भी दिलचस्प सवाल पूछे जिनका यामी ने सीधा-सीधा जवाब दिया। बहुत सारे फैन्स ने यामी से उनकी अपनी खास फिल्म पूछी तो उसके जवाब में उन्होंने उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक का नाम लिया। यामी ने अपने फेवरिट क्रिकेटर एमएस धोनी और राहुल द्रविड़ बताए और फेवरिट स्ट्रीट फूड में पापड़ी चाट का नाम लिया। एक और सवाल के जवाब में यामी ने बताया कि अगर वह ऐक्टर नहीं बनतीं तो शायद वह आईएएस बनना चाहतीं।

अनिता हसनंदानी के घर आने वाली है नई खुशी

हाल ही में कई एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर कंफर्म की है और अब इसमें एक और नाम जुड़ गया है। टीवी एक्ट्रेस अनिता हसनंदानी के घर पर भी किलकारियां गूंजने वाली हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बताया है। प्रेग्नेंसी की खबर कंफर्म करते हुए एक्ट्रेस ने अपने पति रोहित रेड्डी के साथ एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो ना सिर्फ अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नज़र आ रही हैं, जबकि उन्होंने अपने पति के साथ अपनी जर्नी का दिखाया है। इस वीडियो में रोहित, अनिता के बेबी बंप पर किस करते हुए नज़र आ रहे हैं और दोनों काफी खुश लग रहे हैं। अनीता ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह पति रोहित के साथ अपनी अब तक की जर्नी को दिखा रही हैं कि कैसे दोनों मिले फिर रोहित ने उन्हें प्रपोज किया, इसके बाद दोनों की शादी हुई और अब दोनों पैरेंट्स बनने वाले हैं। उनके इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग भी एक्ट्रेस को बधाई दे रहे हैं। एक्ट्रेस के पोस्ट पर यूविका चौधरी, किश्वर मर्चेंट, तुषार कपूर ने भी कमेंट किया है। वहीं, अनिता हसनंदानी ने भी वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- साथ ही उन्होंने हर्ट इमोजी से बताने की कोशिश की है कि उनकी फैमिली में दो से तीन मेंबर होने वाले हैं। एक्ट्रेस ने अब कई वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वो अपनी पति के साथ बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। साथ ही रोहित रेड्डी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए अनिता के प्रेग्नेंट होने की जानकारी दी है। बता दें कि अनिता और रोहित ने 2013 में शादी की थी और दोनों नच बलिए के सीजन 9 में भी नज़र आए थे। अनिता कई फिल्म और टीवी सीरियल में नज़र आ चुकी हैं और उन्होंने ये है मोहब्बतें और नागिन से अपनी खास पहचान बनाई है।

उर्वशी रौतेला ने की ऊंट की सवारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने डांस और अंदाज से फैन्स के होश उड़ा देती हैं. उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. वह अकसर अपने फोटो और वीडियो फैन्स के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. हाल ही में उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में एक्ट्रेस ऊंट पर सवार होती नजर आ रही हैं. वीडियो में ऊंट पर बैठकर उर्वशी काफी खुश लग रही हैं. उर्वशी का यह वीडियो शूटिंग पूरी करने का बाद का है. इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने कैप्शन के जरिए दी है. एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला वीडियो में ऊंट पर बैठती हुई काफी एक्साइटिड लग रही हैं. हालांकि, बाद में सवारी करने के दौरान एक्ट्रेस अपने दोस्तों को बाय-बाय कह रही हैं. उर्वशी रौतेला ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, जिंदगी एक ऊंट की तरह है. आप बैकअप लेने की जगह और कुछ भी कर सकते हो. जिंदगी एक रेगिस्तान की तरह है. आप उस ओएसिस पर अफसोस करते हैं, जिसे आप गुजर जाने देते हैं. वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उर्वशी रौतेला की पहली तेलुगू फिल्म ब्लैक रोज जल्द ही रिलीज होने वाली है, इस फिल्म में एक्ट्रेस पॉप स्टार डिवा के लुक में नजर आ रही हैं. इस फिल्म को लेकर उर्वशी रौतेला काफी एक्साइटिड हैं.

बिग बी ने बताई थी जन्म से पहले की एक घटना पिता मानते थे पुनर्जन्म

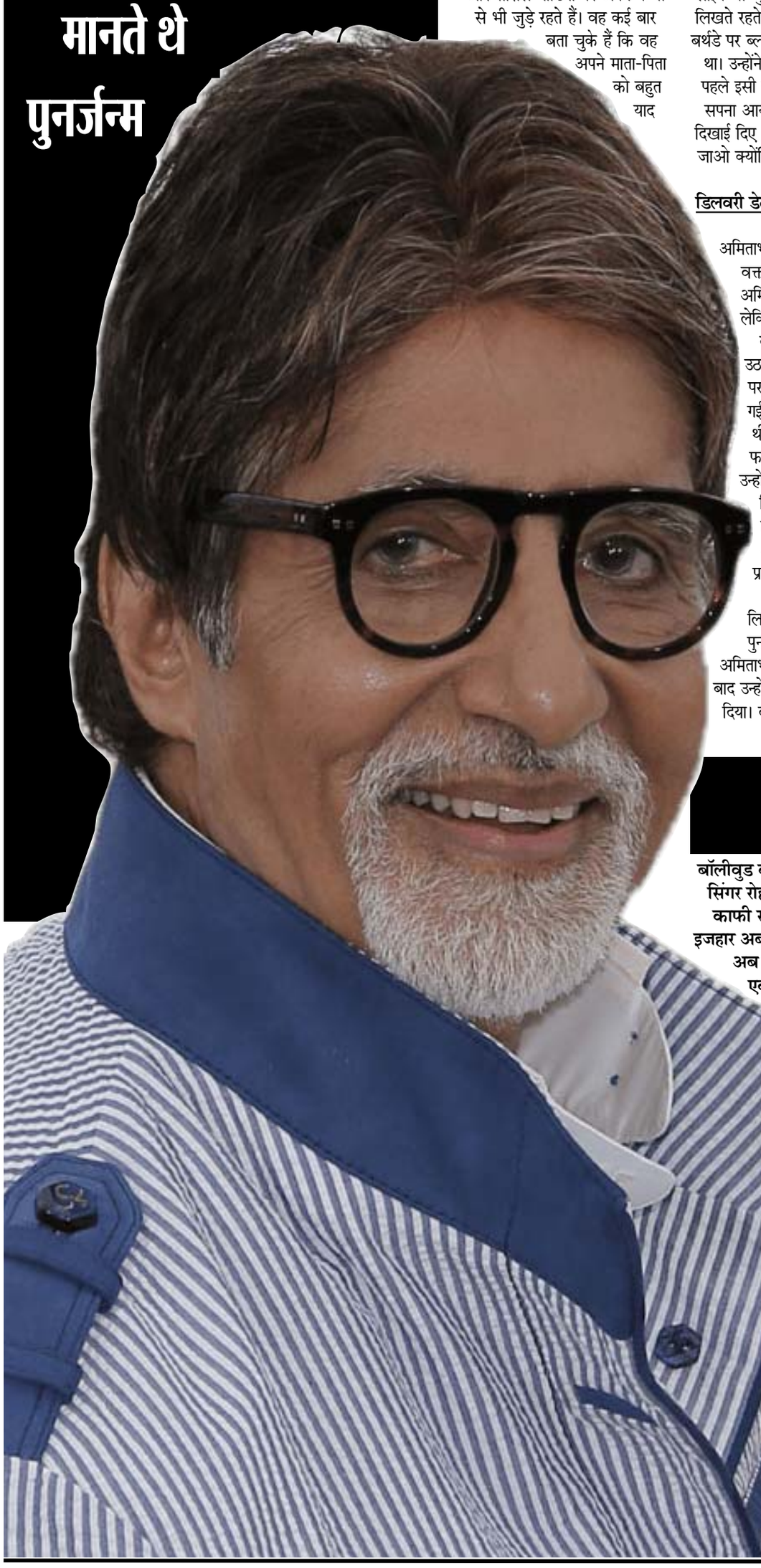

बॉलिवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन आज 78 साल के हो गए हैं। इस मौके पर उनको ढेर सारी बधाइयां और शुभकामनाएं मिल रही हैं। इस उम्र में भी अमिताभ बच्चन पूरे जोश के साथ काम कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपने फैन्स से भी जुड़े रहते हैं। वह कई बार बता चुके हैं कि वह अपने माता-पिता को बहुत याद करते हैं। एक बार उन्होंने अपने फैन्स के साथ अपने जन्म से जुड़ा मजेदार किस्सा भी साझा किया था।

अमिताभ ने ब्लॉग में किया था घटना का जिक्र

अमिताभ बच्चन अक्सर अपनी लाइफ से जुड़ी बातें अपने ब्लॉग में लिखते रहते हैं। उन्होंने अपने 74वें बर्थडे पर ब्लॉग में यह किस्सा लिखा था। उन्होंने बताया था, 74 साल पहले इसी वक्त मेरे पिता को एक सपना आया, जिसमें उनके पिता दिखाई दिए और उनसे कहा कि उठ जाओ क्योंकि उनके घर बेटा आने वाला है।

डिलवरी डेट से पहले पैदा हुए थे अमिताभ

अमिताभ बच्चन के पिता उसी वक्त उठ बैठे। उस समय अमिताभ की मां प्रेग्नेंट थीं लेकिन उनकी डिलिवरी डेट काफी दूर थी। उन्होंने उठकर देखा तो वह बिस्तर पर नहीं थीं। वह वॉशरूम गई थीं और वहां गिर पड़ी थीं, उनको डिलिवरी का फाइनल पेन हो रहा था। उन्होंने बताया था कि उनके पिता हरिवंशराय बच्चन हमेशा यह मानते थे कि अमिताभ उनके पिताजी प्रताप नारायण श्रीवास्तव का पुनर्जन्म हैं।

लिखा था- नहीं पता, मैं पुनर्जन्म हूं कि नहीं...

अमिताभ लिखते हैं, कुछ घंटों बाद उन्होंने एक लड़के को जन्म दिया। वो लड़का मैं था। कुछ वजहों से मेरे पिता को हमेशा लगता रहा कि मैं उनके पिता का पुनर्जन्म हूं। मुझे नहीं पता कि मैं अपने दादा का पुनर्जन्म हूं या नहीं लेकिन ईश्वर का आशीर्वाद, बड़ों का प्यार और प्रार्थनाएं हमेशा अच्छी किस्मत के रूप में मेरे साथ रहा है।

जताया लोगों का आभार

बिग बी ने लिखा था, मैं उनका और उन सबका कर्जदार हूं जिन्होंने इतना ज्यादा प्यार और सम्मान दिया है। इस बार भी अमिताभ बच्चन को नेहा धूपिया, अजय देवगन, आयुष्मान खुराना सहित कई सिलेब्स और लाखों फैन्स ने विश किया है। अमिताभ ने शुभकामना देने वाले सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया है।

जैकी श्रॉफ गरीबों की मदद में खर्चते रहते थे पैसा शक्ति कपूर के समझाने पर खरीदा था घर

शक्ति कपूर और जैकी श्रॉफ के बीच काफी अच्छी दोस्ती है। शक्ति कपूर को इस बात की तसल्ली है कि वह उन्हें अपना पहला घर खरीदने के लिए मना पाए थे। हालांकि उन्होंने बताया कि जैकी को इसके लिए मनाना आसान नहीं था। पुराने दिनों को याद करते हुए शक्ति कपूर बताते हैं, जैकी को हमेशा कारों का शौक था। जब वह छोटे घर में रहते थे तो हमेशा नए कार खरीदने के चक्कर में रहते थे। गोविंदा और सलमान खान का भी यही शौक था। लेकिन इस बात से जैकी की मां परेशान रहती थीं। उन्होंने शक्ति कपूर से कहा कि वह जैकी को समझाएं कि घर ले लें। शक्ति बताते हैं, उनकी मां जानती थीं कि जैकी मुझे अच्छा दोस्त मानते हैं और मेरी बात सुन लेंगे। हालांकि उस वक्त वह जरूरतमंदों को पैसे भी डोनेट करते थे। खासतौर पर जो लोग सड़क पर रहते थे। इसलिए उनको चैरिटी करने से रोकना भी चैलेंज था। शक्ति ने याद करते हुए बताया, %मैंने उनको अपने सिर पर अपनी छत होने का महत्व बताया। मैंने समझाया कि घर बन जाए फिर चैरिटी भी जारी रखें। फिर क्या था, जैकी का अगला फोन आया और उन्होंने बताया कि बड़ा घर खरीद लिया है। शक्ति कपूर ने जैकी के साथ अपनी दोस्ती की बात सिंगिंग रिऐलिटी शो में बताई थी। प्रफेशनली जैकी श्रॉफ और शक्ति कपूर ने हीरो, हलचल और बंधन जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया है।

धरा गया राकेश रोशन पर हमला करने वाला, परोल से हुआ था फरार

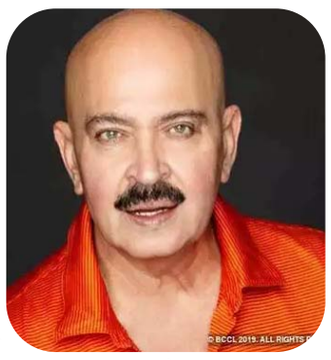

बॉलिवुड डायरेक्टर राकेश रोशन पर साल 2000 में हुए हमले में शामिल एक अपराधी और शार्पशूटर को महाराष्ट्र के ठाणे से गिरफ्तार किया गया है। यह क्रिमिनल 3 महीने पहले परोल से फरार हो गया था। पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम सुनील वी गायकवाड है जिसे कालवा के प्रसीक सर्कल एरिया से शुक्रवार रात लगभग 9 बजे गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के ऊपर 11 केस हत्या और 7 केस हत्या के प्रयास के दर्ज हैं। इनमें से एक मामला साल 2000 में बॉलिवुड डायरेक्टर राकेश रोशन पर किया गया जानलेवा हमले का मामला भी है। जनवरी 2000 में मुंबई के सांताक्रूज स्थित राकेश रोशन के ऑफिस के बाहर उन पर गोली चलाई गई थी। बाद में पुलिस ने इस मामले में सुनील गायकवाड को गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि एक मर्डर केस में गायकवाड को उम्रकैद की सजा मिली है जिसके बाद उसे नासिक की सेंट्रल जेल में बंद किया गया था। वह 26 जून को 28 दिन के परोल पर बाहर आया था। गायकवाड को परोल खत्म होने पर जेल वापस आना था लेकिन वह वापस आने के बजाय फरार हो गया। काफी ढूंढने पर शुक्रवार रात पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, गायकवाड साल 1999-2000 के दौरान कई अपराधों में शामिल रहा था। वह अली बुदेश और सुभाष सिंह ठाकुर के गैंग का सदस्य रहा है। नासिक की एक डकैती में भी सुनील गायकवाड शामिल था। पुलिस जल्द ही सुनील को पंत नगर पुलिस के हवाले कर देगी जिसके बाद उसे जेल भेज दिया जाएगा।

नेहा कक्कड़ गुलाबी सूट पहन खेतों में आईं नजर

बॉलीवुड की सिंगिंग क्वीन नेहा कक्कड़ इन दिनों पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह से अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. नेहा कक्कड़ ने अपने प्यार का इजहार अब सोशल मीडिया पर भी खुलकर कर दिया है. अब हाल ही में नेहा कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की हैं. इन तस्वीरों में सिंगर पिंक कलर के सूट में फोटोशूट करवाती नजर आ रही हैं. तस्वीरों में नेहा कक्कड़ काफी खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में नेहा कक्कड़ कभी खेत में खड़ी हुईं नजर आ रही हैं, तो कभी ट्रेक्टर पर चढ़कर पोज दे रही हैं. नेहा कक्कड़ ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आजा चल व्याह करवाइये, लॉकडाउन विच कट होने खर्चे. यह मेरी डायमंद दा छल्ला गाने की पसंदीदा लाइन है. आपकी कौन सी है? नेहा कक्कड़ की इन तस्वीरों पर फैन्स खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बता दें कि कुछ दिनों पहले नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की शादी को लेकर खबरें भी आई थीं. बताया जा रहा था कि नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की इसी महीने दिल्ली में शादी भी हो सकती है. हालांकि, अभी शादी को लेकर दोनों कलाकारों की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है

टीवी की नागिन मौनी राय का व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस में दिखा ग्लैमरस अंदाज

टीवी की नागिन मौनी रॉय ऐसी एक्ट्रेस हैं जो टीवी शो करें या बॉलीवुड फिल्म हर जगह वह फिट होने के साथ- साथ हिट भी हैं. मौनी रॉय ने टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी एक खास पहचान बनाई है जो इतने कम समय में शायद ही किसी एक्टर के लिए मुमकिन हैं. फिल्म, टीवी शो के साथ- साथ मौनी रॉय सोशल मीडिया पर भी सुपरहिट हैं. और इसलिए इन्हें सोशल मीडिया सेंसेशन भी कहा जाता है, मौनी जब भी अपनी कोई फोटो और वीडियो इंटरनेट पर शेयर करती हैं वह कुछ घंटों के अंदर वायरल होने लगती हैं.

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।